जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 285 प्रभात अजमेर, बुधवार 15 मई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'संदेशखाली में आंदोलनकारी महिलाओं को चुप बैठने के लिए 3 से 4 लाख रू. की पेशकश'

गिरफ्तार महिला गीता के पति ने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। पश्चिम बंगाल का संदेशखाली क्षेत्र जल रहा है क्योंकि राज्य सरकार यहां एक के बाद एक गिरफ्तारी कर रही है। यहां आठ जनों को गिरफ्तार किया गया है।

गीता नामक महिला जिसे परसों रात्रि गिरफ्तार किया गया था, के पति ने एक ताजा बयान दिया और दावा किया कि बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी के आंदोलनकारियों को विरोध प्रदर्शन से दूर रहने और तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में जाने के लिए तकरीबन 3 से 4 लाख रूपए ऑफर किए थे।

अब भाजपा नेता शॉमिक भट्टाचार्य ने कहा है कि सत्तारूढ़ पार्टी स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने के लिए गुण्डों और बाहरी लोगों को ला रही है।

दूसरी ओर, संदेशखाली की महिलाओं ने इस पूरे प्रकरण की किसी केन्द्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। राज्य पुलिस अब पूर्व में लगाए गए हत्या, भूमि कब्जा और यौन दुर्व्यवहार के सभी आरोपों को नकार रही है।

- संदेशखाली में महिलाओं ने सारे मामले की केन्द्रीय जांच एजेन्सी से जांच कराने की मांग की, उनका कहना है कि, राज्य पुलिस तो पूर्व में लगाए गए, हत्या, जमीन पर कब्जा और यौन उत्पीड़न के सभी आरोपों से इंकार कर रही है।
- संदेशखाली में राज्य पुलिस चुन-चुन कर शिकायत करने वाली महिलाओं को निशाना बना रही है, ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि, किसी केन्द्रीय एजेन्सी से जांच शुरू क्यों नहीं करवाई गई है।
- संदेशखाली में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। महिलाएं रात में पहरा दे रही हैं। ज्ञातव्य है कि, ममता बनर्जी ने बंगाल की महिलाओं से एक बार कहा था कि, जो भी हाथ लगे, झाड़ू या डंडा, उसे लेकर बाहर निकलें। अब संदेशखाली में महिलाएं वही कर रही हैं। भाजपा व स्थानीय लोगों का आरोप है कि, तृणमूल बाहरी लोगों को बुला रही है, स्थानीय महिलाओं को धमकाने के लिए।

इसे लेकर भी प्रश्न किए जा रहे हैं कि मामलों की जांच राज्य पुलिस कर रही है तो किसी केन्द्रीय एजेंसी से जांच क्यों नहीं करवायी जा रही।

सीनियर एक्टर मिथुन चक्रवर्ती, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एवं तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ प्रचार के लिए हर जिले का दौरा कर रहे हैं।

चक्रवर्ती ने अपनी फिल्मों के कुछ पुराने गाने का उल्लेख किया और मुख्यमंत्री के दावों पर पैरोडी बनाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने बंगाल को लेकर गाने गाए, लेकिन अब वह देख रहे हैं कि बंगाल कंगाल बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ममता चोट लगने के बहाने बना रहीं हैं, जो सिर्फ चुनाव जीतने की ट्रिक है।

तृणमूल कांग्रेस की ओर से भी कई अभिनेता उम्मीदवार हैं। तृणमूल में पूर्व सांसद एवं लोकप्रिय अभिनेता देब भी पार्टी प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। वे स्वयं भी चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन मुश्किलों का सामना कर रहे हैं क्योंकि संसदीय चर्चाओं के दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

18 साल से लंबित पट्टा सात दिन में देने के आदेश

जयपुर, 14 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने 18 साल पहले नीलामी में खरीदी गई जमीन का नगर निगम की ओर से पट्टा जारी नहीं करने के मामले को गंभीरता से लिया है और नगर निगम को कहा है कि, वह सात दिन में जमीन का पट्टा जारी करे। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने स्वायत्त शासन निदेशक को 21 मई को व्यक्तिगत या

- राजस्थान हाई कोर्ट ने 18 साल पहले नीलामी में खरीदी गई ज़मीन का नगर निगम द्वारा पट्टा जारी नहीं करने को गंभीर माना तथा स्वायत्त शासन निदेशक से कहा कि, सात दिन में पट्टा जारी करें और अदालत में पेश होकर बताएं कि, अब तक पट्टा जारी क्यों नहीं हुआ।

वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए पेश होकर शपथ पत्र के जरिए पट्टा जारी नहीं करने का कारण बताने को कहा है। जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश मनोज अग्रवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि, अदालत में पेश दस्तावेजों से स्पष्ट है कि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर प्रदेश के शेष चरणों के चुनाव में भारी चुनौतियां हैं भाजपा के समक्ष

राजनैतिक हलकों में सवाल है कि, क्या भाजपा यहां पिछला प्रदर्शन दोहरा पाएगी?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। भाजपा के पहले चार चरणों के मतदान में क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने की अटकलों के बीच पार्टी भाजपा अब राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य, उत्तर प्रदेश में बची हुई सीटों पर मतदान के संदर्भ में एक बड़ी चुनौती की तरफ बढ़ती हुई प्रतीत हो रही है।

अभी तक उत्तर प्रदेश में 80 में से 39 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है और बची हुई 41 सीटों पर पांचवे, छठे और सातवें चरण में मतदान होना है। वर्ष 2019 के चुनावों में इन 41 सीटों में से भाजपा ने अपने दम पर 31 सीटें और उसके गठबंधन सहयोगी अपना दल ने 2 सीटें जीती थीं। जिन सीटों पर अभी मतदान होना है, वे पूर्वी उत्तर प्रदेश की हैं। इस क्षेत्र में परम्परागत रूप से, सोशलिस्ट पार्टियां मजबूत रही हैं। हालाकि, भाजपा वर्ष 2014 और 2019 के चुनावों में उनके गढ़ में सेंध लगाने में सफल हो गयी थी। पर सवाल यह है कि क्या भगवा पार्टी इस क्षेत्र में अपना प्रदर्शन दोहरा सकती है?

- तीन चरणों के चुनाव में यू.पी. में 41 सीटों पर चुनाव होगा। गत चुनाव में भाजपा ने इनमें से 31 सीटें जीती थीं, 2 सीटें भाजपा के सहयोगी दलों को मिली थीं।
- अब जिन 41 सीटों पर चुनाव होना है वे पूर्वी उत्तर प्रदेश की हैं और विधानसभा चुनावों में भाजपा को यहां भारी नुकसान उठाना पड़ा था।
- यहां तक कि, अयोध्या की चार सीटों में से भी भाजपा दो ही जीत पाई थी। मुद्दा यह है कि, इस बार के लहर रहित चुनाव में क्या भाजपा 2019 का प्रदर्शन दोहरा पाएगी।
- उत्तर प्रदेश में कुल 80 सीटें हैं, इनमें से 39 सीटों पर मतदान हो चुका है और चर्चा है कि, इन चरणों में भाजपा का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

अगर वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के दृष्टिकोण से देखे तो भाजपा के लिए यह बड़ी चुनौती है। यद्यपि, योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अच्छा काम किया है लेकिन इस क्षेत्र में उनका बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं है। उदाहरण के लिए भाजपा गाज़ीपुर की सातों विधानसभा सीटों पर हार गयी थी और जौनपुर की 9 में से 2 सीटों पर ही जीत हासिल कर पायी थी। इसके अलावा, बलिया में 7 में से 2 और मऊ में 4 सीटों में से एक पर ही जीत पायी थी। आज़मपुर की 10 विधानसभा सीटों में से भाजपा को एक पर भी विजय हासिल नहीं हुई थी और बस्ती में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यशवन्त सिन्हा के पौत्र आशिर कांग्रेस में शामिल

आशिर के पिता जयन्त सिन्हा भाजपा सांसद हैं तथा मोदी सरकार में मंत्री रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री यशंवत सिन्हा के पौत्र व लोकसभा में भाजपा के वर्तमान सांसद जयंत सिन्हा के पुत्र आशिर सिन्हा वर्तमान में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच में ही कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

हजारी बाग से भाजपा के सांसद व नरेन्द्र मोदी सरकार के पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयंत सिन्हा के बेटे ने एक कार्यक्रम के दौरान, जिसमें कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी उपस्थित थे, पार्टी में शामिल होने की घोषणा की, उस कार्यक्रम में जयंत सिन्हा भी थे।

वर्तमान लोकसभा चुनावों में हजारीबाग (सदर) के विधायक मनीष जायसवाल को भाजपा ने जयंत सिन्हा की जगह हजारीबाग लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

- इस बार भाजपा ने हजारी बाग से जयन्त सिन्हा के बजाय क्षेत्र के विधायक मनीष जायसवाल को टिकट दिया।
- मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में आशिर ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की, इस दौरान जयन्त सिन्हा भी मौजूद थे।
- हजारी बाग से पहले यशवन्त सिन्हा, फिर उनके पुत्र चुनाव लड़ते रहे हैं, यह पहली बार है जब इस सीट से सिन्हा परिवार से कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ रहा है।

खबर है कि जयंत सिन्हा जो पहले नरेन्द्र मोदी सरकार में केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री रह चुके हैं, उनके भाजपा से संबंध तनावपूर्ण चल रहे थे क्योंकि उनके पिता यशवंत सिन्हा भाजपा पर लगातार हमले बोल कर आलोचना कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि उनके पिता भी पूर्व में भाजपा सरकार में केन्द्रीय मंत्री रह चुके हैं।

जयंत सिन्हा ने 2024 का आम चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा प्रकट की थी, क्योंकि वे वैश्विक भारत में बदलते जलवायु परिवर्तन से लड़ने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहते हैं। इस बीच उनके पुत्र आशिर सिन्हा बरही में आयोजित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिंदा बम प्रकरण में नाबालिग को जमानत

जयपुर, 14 मई (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे नाबालिग आरोपी को सशर्त जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने मामले की सुनवाई कर रहे किशोर न्याय बोर्ड को प्रकरण की सुनवाई तीन

- सुप्रीम कोर्ट ने, जयपुर में 13 मई को हुए सीरियल बम धमाकों के नाबालिग आरोपी को सशर्त जमानत दे दी और मामले की जांच तीन माह में पूरी करने के आदेश दिए।

माह में पूरी करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश नाबालिग आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने बताया कि, कानून के अनुसार किसी भी किशोर आरोपी को तीन साल से अधिक की सजा नहीं दी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ई.वी. चार्जिंग स्टेशन्स लगाने के लिये आधारभूत ढांचा स्थापित करने की राह आसान हुई

भारत पैट्रोलियम की राजस्थान विद्युत नियामक आयोग में दायर याचिका के आधार पर सभी डिस्कॉम्स ने नीति में बदलाव का फैसला किया

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 14 मई। भारत पेट्रोलियम (बी.पी.सी.एल.) द्वारा प्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ई.वी.) को चार्ज करने के लिये ऐसे 'चार्जिंग स्टेशन' और आधारभूत ढांचा प्रदान करने के संबंध में राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (आर.ई.आर.सी.) में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि प्रदेश में ई.वी. को चार्ज करने के लिये आधारभूत ढांचा इसलिये तैयार नहीं किया जा सका है क्योंकि मुख्य तौर पर 50 किलोवॉट से बड़े चार्जिंग स्टेशन को स्थापित करने के लिये हाईटेंशन वायर (एच.टी.) लगाना पड़ता है, जिसके लिये चार्जिंग स्टेशन लगाने वाले को स्थापना शुल्क, स्थाई शुल्क, ट्रांसफार्मर को स्थापित करने के खर्चे व अन्य खर्चों को वहन करना पड़ता है जिससे चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की लागत बहुत ऊंची हो जाती है। इस

- आयोग के समक्ष सुनवाई के दौरान सभी विद्युत निगमों ने याचिकाकर्ता की गुहार पर स्वतः ही आदेश पारित किये कि, बड़े ई.वी. (इलैक्ट्रिक वीहिकल) चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिये लो टैंशन वायर उपयोग में लिये जा सकेंगे। इससे पहले हाई टैंशन (एच.टी.) वायर प्रयुक्त करना पड़ता था जिसमें भारी खर्च आता था।
- सभी निगमों ने आदेश में यह भी कहा कि, चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिये लगाये जा रहे ट्रांसफॉर्मर का केवल किराया ही रीटेल आउटलैट लगाने वाले को देना होगा, जिसमें भी तीन प्रतिशत डिसकाउन्ट दिया जायेगा।
- याचिकाकर्ता के वकील शशांक अग्रवाल ने अदालत को कहा था कि, केंद्र सरकार की 2022 की नीति के अनुसार देश में 2030 तक वाहनों की कुल संख्या का 30 प्रतिशन इलैक्ट्रिक वीहिकल होने चाहिये परंतु डिस्कॉम्स की नीतियों के अनुसार बड़े चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिये समर्पित एच.टी.लाइन लगानी होती है और ट्रांसफॉर्मर भी खरीदने पड़ते हैं, जिससे केन्द्र सरकार की नीति का क्रियान्वयन अव्यवहारिक व असंभव होता जा रहा है।

याचिका में आर.ई.आर.सी. से गुहार की गई थी कि वे डिस्कॉम्स के नियमों में ई.वी.चार्जिंग को शामिल करें और डिस्कॉम्स को आदेश दें कि 60 से 200 किलोवॉट की क्षमता के चार्जिंग स्टेशन को स्थापित करने के लिये लो टेंशन (एल.टी.) 'वायर' लगाने के नियम बनाएं और हाई टेंशन वायर लगाने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झुंझुनूं में कांग्रेस के बृजेन्द्र ओला का पलड़ा भारी

पर कम मतदान ने चिंता बढ़ा रखी है

झुंझुनूं,14 मई (निसं)। लोकसभा चुनाव होने के बाद अब सब तरफ नतीजों का इंतजार है और इसी के साथ कयासों का बाजार भी गर्म है जहां तक झुंझुनूं सीट का सवाल है सट्टा बाजार और आम अटकलों में कांग्रेस के बृजेन्द्र ओला की जीत तय बताई जा रही है।

पर भाजपा और भाजपा समर्थक भी तर्कों के साथ जीत के दावे कर रहे हैं। लेकिन झुंझुनूं लोकसभा में इस बार 52.29 प्रतिशत मतदान होने के चलते यह साफ हो चुका है कि चुनावों में चाहे कांग्रेस जीते या फिर भाजपा। लेकिन जीत हार का अंतर 50 हजार से अधिक का नहीं होगा।

मतदान प्रतिशत कम रहने के भी अपने अपने तर्क दिए जा रहे हैं। कुछ का कहना है शादियों का मौसम था तो कुछ कह रहे है गर्मी बहुत ज्यादा रही। इसी के साथ दोनों ही प्रत्याशियों की टिकट की घोषणा काफी देरी से हुई, जिसके कारण प्रचार-प्रसार का पर्याप्त समय नहीं मिला और कोई भी प्रत्याशी चुनावी माहौल भी नहीं बना पाया। खेतों में फसल कटाई में मशगूल ग्रामीण मतदाताओं का कहना है कि उन्हें तो एक दिन भी ऐसा नहीं लगा कि चुनाव है और चुनावी माहौल है। इसके साथ-साथ दोनों ही पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं में प्रचार को लेकर भारी उदासीनता देखी गई। दोनों दलों के विधानसभा क्षेत्रों के बड़े नेता भी सिर्फ चेहरा दिखाने तक ही सीमित रहे। उन्होंने अपना कोई दम-खम नहीं दिखाया तो कार्यकर्ता भी घर से नहीं निकला। लोगों का तो यहां तक कहना है कि दोनों पार्टियों ने जो बूथ एजेंट तय किए थे। वो सिर्फ टाइमपास करने के लिए बूथ पर बैठे रहे। कोई बूथ मैनेजमैंट नहीं दिखा यहां तक कि भाजपा जो बूथ मैनेजमैंट के लिए जानी जाती हैं वहां भी उदासीनता रही।

कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र ओला के समर्थन में चाहे सभी कांग्रेसी एक जाजम पर दिखे हो। लेकिन उन्होंने कोई मेहनत नहीं की। जब बृजेंद्र ओला उनके क्षेत्रों में आए तो वे उनके साथ दिखे। इसके अलावा उन्होंने घर पर आराम किया।

यही हाल भाजपा नेताओं का था, वे भी प्रत्याशी शुभकरण चौधरी के साथ सिर्फ दौरों में ही दिखे। कार्यकर्ताओं और नेताओं की निष्क्रियता को देखकर हार जीत के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है।

झुंझुनूं का सट्टा बाजार पिछले करीब एक महीने से स्थिर है। सट्टा बाजार में भाव कांग्रेस के पक्ष में हैं। सट्टा बाजार की माने तो कांग्रेस प्रत्याशी बृजेन्द्र ओला की जीत तय बता रहा है। उनका भाव 15 पैसे है वहीं भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी का भाव 3 रूपए है, सट्टा बाजार में जिस प्रत्याशी या पार्टी का भाव जितना कम होता है उसकी जीत की संभावना उतनी ही अधिक होती है और जिस प्रत्याशी या पार्टी का भाव अधिक होता है उसकी हार के चांस ज्यादा होते हैं। सटोरिए तो एक तरह से कांग्रेस को जिता चुके हैं। लेकिन सटोरिए भी अंदर ही अंदर आशंकित हैं क्योंकि कम वोटिंग ने सारे आंकडों को बिगाड़ कर रख दिया है।

- झुंझुनूं में मतदान 52.29 प्रतिशत ही रहा है, इसलिए संभावना है कि, हार-जीत का अंतर 50 हजार मतों तक ही रहेगा।
- क्षेत्र में चुनाव को लेकर भारी उदासीनता दिखी। स्थानीय ग्रामीणों का भी कहना था कि, इस बार ऐसा नहीं लगा कि, चुनावी माहौल है, नेता व कार्यकर्ता भी उदासीन दिखे।
- सूत्रों ने बताया कि, स्थानीय नेता प्रत्याशियों के दौरों के समय ही सक्रिय दिखे, बाकी समय वे घरों से बाहर नहीं निकले।
- सट्टा बाजार ने भी कांग्रेस के बृजेन्द्र ओला की जीत की भविष्यवाणी की है, पर कम मतदान से सटोरिए भी चिंता ग्रस्त हैं।

सामान्य तौर पर किसी चुनाव में मतदान के बाद, कौन जीतेगा, कौन हारेगा का आकलन लगाना बंद हो जाता है, क्योंकि ऐसा मान लिया जाता है कि, उम्मीदवारों का भविष्य तो ई.वी.एम. मशीनों में बंद हो गया, किसी तरह की आकलनबाजी व्यर्थ है, तथा समय की बर्बादी ही है। पर, हमारे संवाददातों का कहना है कि, चुनाव को समझने का, हार-जीत की संभावनाओं, वोटिंग के ट्रैंड के बारे में चर्चा करने का यही समय है। क्योंकि, पार्टियों के कार्यकर्ता भी पोलिंग बूथ में अपनी ड्यूटी पूरी करके "रिलैक्स्ड" मूड में आ गये होते हैं, तथा अब कुछ गहरायी से, कुछ शांति से, उन्होंने पोलिंग स्टेशन पर जो देखा व महसूस किया, वो बताने को तैयार हैं। लगभग ऐसी ही स्थिति पार्टियों के नेता, उम्मीदवारों के समर्थकों की होती है। मतदान के पूर्व वह शुभ-शुभ के अलावा कुछ बोलना नहीं चाहते थे, क्योंकि उनके कुछ कहने से, उनके शब्दों व वाक्यों को तोड़-मोड़ कर पेश करके कुछ वोट काटे जा सकते थे। पर, जब मतदान ही हो गया तो वोट को हानि पहुंचाने की यह संभावना भी खत्म हो गयी है। अतः अब ये लोग भी अपना सही आकलन देने में नहीं हिचकिचाते।

अतः अब इन लोगों से बात करके हमारे संवाददाता सीट के बारे में अपना आकलन पुनः गहरायी से पेश करना चाह रहे हैं। उसी श्रृंखला में तीसरी कड़ी हम प्रस्तुत कर रहे हैं।

विचार बिन्दु

बेहतर यही होगा कि आप कोशिश करें शायद इसमे आप नाकामयाब हो जाऐं और उससे कुछ सीखें बजाये इसके कि आप कुछ करें ही नहीं।

–मार्क जकरबर्ग

डिजिटल प्रौद्योगिकी जीवन को सरल बनाते हुए बहुत कुछ छीनती भी है

तकनीकी प्रगति में कुछ भी सीधा-सरल नहीं होता। कोई भी नई प्रौद्योगिकी जो हमारे जीवन को आसान बनाने वाली चीज़ें लेकर आती हैं तो वह हम से बहुत सी चीजें छीन भी ले जाती है। यह इतना सहज से होता है कि हमें इसका तत्काल पता नहीं चल पाता। डिजिटल तथा अंतर्जाल (इंटरनेट) की प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को जितना आसान बना दिया है उसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। डिजिटल तकनीक और इंटरनेट ने हमारी पहुंच को अकल्पनीय हद तक बढ़ा दिया है; हमारे लिए लिए सूचना के द्वार और मनोरंजन के नये वितान खोल दिए हैं। नई प्रौद्योगिकी से बनी आभासी दुनिया हमें मौजूद समय में आपस में जोड़ भी रही है। हम नई-नई खोजों का आनंद ले रहे हैं। बहुत से लोगों के लिए यह नयी डिजिटल व्यवस्था धन कमाने का जरिया भी बनी है। इससे हमने बहुत कुछ पाया है, मगर इसने हमसे बहुत सी चीजें छीन भी ली है जिसके लिए उम्रदराज हो रही पीढ़ी अनेक बार नोस्टेल्जिक हो उठती है। जैसे, फोटो एलबम को ही लें जिनमें हम बड़े जतन से अपनी, अपने परिजनों व मित्रों की, पारिवारिक एवं अन्य समारोहों की श्वेत श्याम और फिर रंगीन फोटुएं चिपकाते थे। उन्हें एल्बम की शीट पर लगाने के लिए चिपकने वाले कोनों का उपयोग करते थे। अब उन एल्बमों की जरूरत नहीं रही। अब डिजिटल स्टोरेज ने उन्हें हम से छीन लिया। अब फोटो खींचने वाले घरेलू गैर पेशेवराना कैमरे भी नई डिजिटल तकनीक ने हम से छीन लिए हैं। अब कैमरे के अपरचर व टाइमर का हिसाब भी नहीं सीखना पड़ता और न यह पता करने के लिए कि फ़ोटो साफ आई है या नहीं फिल्म के धुल कर आने का इंतज़ार करना पड़ता है। नये डिजिटल कैमरे और स्मार्टफोन हमारे लिए सभी काम खुद ही कर लेते हैं। ली गई तस्वीरों को इंटरनेट पर उपलब्ध मुफ़्त सुविधाओं से उन्हें न केवल सुधार ही सकते हैं बल्कि परिचितों से तुरंत साझा भी कर सकते हैं। कैमरे के ऑटो क्लिक को सेल्फ़ी ने छीन लिया है। सर्च इंजिन 'गूगल' से पहले हम किसी किताब का पता करने तथा उसे खरीदने के लिए शहर की किताबों की दुकानों के चक्कर लगाते थे और दुकानदारों की मिन्नतें करते थे कि अमुक किताब वह हमारे लिए मंगवा दे। नेट ने यह काम उनसे छीन कर अमेज़न और प्रकाशकों की वेब साइटों को दे दिया है। किताबें ही क्यों अन्य सामान, यहां तक कि भोजन की थाली भी, ऑनलाइन ऑर्डर दे कर मंगा सकने के नये जमाने में पुरानी चीजों का खो जाना किसी को अखरता नहीं। अब हम शहर के बाज़ार की जगह अधिकतर इंस्टाग्राम पर मौजूद खिड़कियों में विंडो शॉपिंग करते हैं, जहां लक्षित विज्ञापन होते हैं और जिनके प्रायोजक जानते हैं कि हमारी रुचियां क्या हैं। नई तकनीक ने विंडो शॉपिंग के आश्चर्य और लालसा के भाव और दूकान के अंदर की मनोरम झलक पाने का आनंद छीन लिया है। जब हम स्कूल या कॉलेज में पढ़ते थे तब हमारे लिए जो सबसे महत्वपूर्ण चीज होती थी वह थी डिक्शनरी। पढ़ाकुओं के पास अंग्रेजी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से हिन्दी की तीन-तीन डिक्शनरियां होती थी। अंग्रेजी की कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड दोनों डिक्शनरियां घर में होनी लाज़मी थी। अंग्रेजी से हिन्दी के लिए फादर कामिल बुल्के और हिन्दी की भार्गव की डिक्शनरियों का अपना रुतबा हुआ करता था। इंटरनेट ने हमारे बचपन और किशोर वय की साथी रही उन डिक्शनरियों को हमसे छीन लिया। ऐसे ही 12 खंडों वाले एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका में कुछ खोजने के लिए कॉलेज की लाइब्रेरी जाना होता था क्योंकि यह भारी भरकम कोश खरीदना हर एक के बूते की बात नहीं होती थी। थोड़े ऊंचे पढ़ाकू थैसारस रख कर गर्व अनुभव करते थे। अब उनके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं होती, सभी इंटरनेट पर मौजूद है।

हमारे दैनिक अस्तित्व पर इंटरनेट ने कैसा प्रभाव डाला है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सुबह आंख खुलते ही सबसे पहला काम स्मार्टफोन की स्क्रीन पर टैप करना तो अब लोगों की आदत बन चला है। हम ऑनलाइन दुनिया में अधिक से अधिक समय बिताने लगे हैं। इंटरनेट से पहले का जीवन अब गुदगुदाती सुखद स्मृति बन कर रह गया है जिसे वापस नहीं पाया जा सकता।

डिजिटल क्रांति ने हमसे फुटकर नकदी भी छीन ली है। आज भारत के दूर-दराज के कोनों में रहने वाले लोग भी रोज़मर्रा का बहुत से सामान बिना नक़दी के ख़रीद रहे हैं। यहां तक कि एक पैकेट ब्रेड या बिस्किट ख़रीदने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करके दस-बीस रुपये जैसी मामूली रक़म का भी भुगतान ऑनलाइन ही किया जाता है। नकद पैसा जेब में रखने की जरूरत अब नहीं रही है। दुनिया के किसी कोने से पेन-फ्रेंड की डाक से चिट्ठी मिलना छिन गया है। डायल करने वाले फोन, सीडी और डीवीडी प्लेयर जैसे यंत्र अब यादों में सिमट गये हैं। कभी हम छत पर एरियल लगा कर रेडियो सेट पर बड़ी सावधानी से ट्यून करके शॉर्टवेव पर रेडियो सिलोन, बीबीसी या दूर दराज के दूसरे देशों के प्रसारण सुनते थे। इंटरनेट ने इन सब को छीनते हुए उनके विकल्प स्मार्टफोन में दे दिए हैं। रेडियो के समाचारों से घड़ियां मिलाना भी हमसे छिन गया है। कुछ भी हो जाए आकाशवाणी पर समाचार ठीक निर्धारित क्षण पर शुरू होते थे न एक सेकेंड आगे न एक सेकेंड पीछे। रेडियो से घड़ी मिलाने का आनंद हमसे छिन गया। अब तो इंटरनेट से जुड़े स्मार्टफोन अपनी घड़ी अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय समय के अनुसार अपने आप सेट कर लेते हैं। नेट पर ही अब सारे रेडियो तथा टीवी स्टेशन मौजूद हैं जिनका जीवंत प्रसारण इंटरनेट की बदौलत डिजिटल दुनिया में उपलब्ध है। गत्ते के कागज पर छपा रेल का छोटा सा टिकट यात्रा पूरी होने तक अब जेब में संभाल कर रखने का अनुभव हमसे छिन गया है। उसे खरीदने के लिए रेलवे स्टेशन जाकर लंबी लाइन में लगना अब पुरानी बात हो गई है। इंटरनेट पर ऑनलाइन खरीदा गया टिकट हमारे फोन में रहता है और उसे स्क्रीन पर ही टीटी को जरूरत पड़ने पर दिखाया जा सकता है। इंटरनेट निर्विवाद रूप से एक प्रकार का जादू है, मगर उसने हमारे जीवन के कुछ पुराने जादू पर पोंछा फेर दिया है। हमारे दैनिक अस्तित्व पर इंटरनेट ने कैसा प्रभाव डाला है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सुबह आंख खुलते ही सबसे पहला काम स्मार्टफोन की स्क्रीन पर टैप करना तो अब लोगों की आदत बन चला है। हम ऑनलाइन दुनिया में अधिक से अधिक समय बिताने लगे हैं। इंटरनेट से पहले का जीवन अब गुदगुदाती सुखद स्मृति बन कर रह गया है जिसे वापस नहीं पाया जा सकता।

अब हमें कहीं पहुँचने के लिए किसी से रास्ता पूछने की जरूरत नहीं रही। कभी वे ड्राइवर अधिक सफल होते थे जिन्हें शहर के रास्ते हाथ की हथेली की तरह मालूम होते थे। अब उनकी जरूरत नहीं रही है। अब हम गूगल मैप से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। टैक्सी वाले, जो अब कैब वाले कहलाते हैं, भी आपसे पता पूछ कर इंटरनेट से जुड़े अपने स्मार्टफोन में फ़ीड करते हैं और गूगल के निर्देशों के अनुसार रास्ता चुनते हैं और गंतव्य तक पहुंचते हैं। टैक्सी बुलाने के लिए भी उसी फोन का इस्तेमाल होता है जो हमारे हाथ में होता है। वास्तव में वह हमारी हथेली में पूरा कंप्यूटर है। इस पर छोटे संदेश या बड़े आलेख लिख कर भेज सकते हैं। इससे भी आगे बढ़ कर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से रीयल टाइम में संदेशों का आदान-प्रदान ही नहीं कर सकते हैं बल्कि वीडियो चैट भी जब चाहें कर सकते हैं। फोन तो हम पहले भी करते थे और उस पर लंबी-लंबी बातें भी होती थी। अपने बचपन को याद कीजिए जब यह उलाहना सुनते थे कि अरे वह तो एक घंटे से फोन पर ही चिपका या चिपकी हुई बैठी है। अब जब कोई फोन पर गेम खेलने में व्यस्त हो तब भी कोई ऐसी शिकायत नहीं करता। अब तो किसी को फोन करने से पहले भी संदेश भेज कर पूछा जाता है कि क्या मैं आपको कॉल कर सकता हूं? यह नये शिष्टाचार ने पुराने बेतकल्लुफ़ शिष्टाचार को छीन लिया है। अनौपचारिक रिश्ते हम से छिन गए हैं। इंटरनेट के इस युग में क्या हममें से किसी को सचमुच दूसरों के जन्मदिन याद रहते हैं? यदि नजदीकी रिश्तेदारों या प्रतिदिन ऑफिस में बगल में बैठने वालों के जन्मदिन कोई हम से पूछ ले तो हम बगलें झांकने लगते हैं। इन तारीखों तथा फोन नंबरों को सलीके से लिखी छोटी डायरियां हमसे छिन गई हैं। चिंता किस बात की; इंटरनेट मौजूद है ना। जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए इमोजी के साथ इंटरनेट पूरी तरह तैयार रहता है। मगर जो इंटरनेट पर नहीं हैं उनका क्या? इंटरनेट का एक विरोधाभास यह है कि जहां इसने जिस दुनिया को हमारे लिए खोल दिया है, वहीं इसने उस दुनिया को छोटा भी महसूस कराया है। हम नदी, पहाड़, बागानों तथा स्मारकों के शानदार दृश्य असल में नहीं डेस्कटॉप पृष्ठभूमि में देखते हैं। ऑनलाइन सर्फिंग में कुछ घंटे बिताने के बाद हमें दुनिया छोटी, दोहरावदार और सपाट दिखने लगती है। शायद हम अपना बोरडम मिटाने के लिए स्मार्टफोन पर उंगलियां फिराते है। पहले लोग जीवन के उबाऊ पलों को सहज स्वीकार करते थे। भाषा विज्ञानी बताते हैं कि 'बोरडम' शब्द आंशिक रूप से उन्नीसवीं सदी के मध्य तक सामने नहीं आया था। घर में मन नहीं लगा तो हम अवकाश में खाली फुटपाथों पर या आबादी से दूर लक्ष्यहीन सैर पर चले जाते थे। मोबाइल फोन और डिजिटल डाटा ने हमसे यह आनंद भी छीन लिया है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

मानपुरा का 60 साल का दिव्यांग सरकार की मदद से वंचित

बुजुर्ग दिव्यांग के चलने-फिरने के लिए बिना पैडल, हैंडल व ब्रेक वाली व्हील चेयर बनी सहारा

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के मानपुरा गांव में एक 60 साल के दिव्यांग बुजुर्ग की अनदेखी सरकारी सिस्टम के जिम्मेदारों पर कई सवाल खड़े कर रही है। सरकार ने भले की दिव्यांगजन के उत्थान के लिए कई योजनाएं शुरू कर रखी है, लेकिन जिम्मेदारों की नजरें इस दिव्यांग बुजुर्ग पर आज तक नहीं पड़ी है।

मांडलगढ़ उपखण्ड के मानपुरा गांव में रहने वाले सत्यनारायण पारीक का एक पैर एक दशक पहले किसी हादसे में कट गया था, जिससे वह दिव्यांग हो गया। घर की माली हालत बहुत दयनीय और शारीरिक कमजोरी के चलते कोई काम-धंधा भी नहीं कर सकता। इस बुजुर्ग दिव्यांग ने घर से बाहर घूमने-फिरने के लिए रोगी व्हील चेयर का जुगाड़ कर रखा है, लेकिन चिलचिलाती धूप में इस व्हील चेयर को सड़क पर चलाने में कड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हादसा होने की आशंका बनी रहती है। व्हील चेयर में न पैडल है और न ही ब्रेक है।

मांडलगढ़ उपखण्ड के मानपुरा गांव का रहने वाला दिव्यांग सत्यनारायण पारीक।

- मानपुरा गांव के सत्यनारायण पारीक का एक पैर एक दशक पहले किसी हादसे में कट गया था
- बुजुर्ग दिव्यांग ने घर से बाहर घूमने-फिरने के लिए रोगी व्हील चेयर का जुगाड़ कर रखा है

दिव्यांग सत्यनारायण पारीक ने बताया कि घर मैं एक बेटा है जिसके पास भी काम-धंधा पर्याप्त नहीं है और पत्नी भी बुजुर्ग है। गांव के लोग ही सहायता करते आ रहे हैं, कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को सरकारी सहायता के लिए गुहार लगाई, लेकिन किसी ने अब तक सुध नहीं ली है।

आठ माह की बालिका की डाम लगाने से हालत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

भीलवाड़ा, (निसं)। अंधविश्वास के नाम पर मासूमी की जिंदगी से खिलवाड़ का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक आठ माह की बालिका की डाम लगाने से हालत बिगड़ने के बाद परिजनों ने उसे एमजी अस्पताल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में भर्ती करवाया है। एक और जहां परिजन डाम से इनकार कर रहे हैं, वहीं डॉक्टर्स इसे डाम लगाने से हालत बिगड़ने का मामला बता रहे हैं। फिलहाल अस्पताल में बच्ची का उपचार किया जा रहा है।

एमजी चौकी पुलिस के अनुसार, चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार थाना इलाके की 8 माह की बच्ची रीना पिता हेमराज भील को मंगलवार सुबह यहां मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। डॉक्टर्स ने बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण किया तो उसके चेस्ट पर डाम लगा हुआ मिला। डॉक्टर्स ने अस्पताल चौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि उनकी बच्ची बीमार है, इसलिए उसे यहां भर्ती करवाया है। परिजनों ने बच्ची को डाम लगाने और लगवाने से इनकार किया है। स्थिति जांच के बाद ही साफ हो पायेगी। फिलहाल बच्ची का उपचार जारी है और उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है।

बच्ची को उपचार के लिये भीलवाड़ा के एमजी अस्पताल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में भर्ती करवाया है।

- परिजन डाम से इनकार कर रहे हैं, वहीं डॉक्टर्स इसे डाम लगाने से हालत बिगड़ने का मामला बता रहे है।

देवयानी तीर्थ स्थल पर बने सुलभ शौचालय की हो रही दुर्दशा

20 लाख रुपए की लागत से निर्मित सुलभ शौचालय करीब छह माह से सफाई को तरस रहा है

सांभरझील, (निसं)। देवयानी तीर्थ स्थल पर आने वाले सैंकड़ों श्रद्धालुओं की सुविधार्थ करीब 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित अतिआधुनिक सुलभ शौचालय करीब छह माह से सफाई को तरस रहा है। नगर पालिका प्रशासन के माध्यम से बनवाए गए सुलभ शौचालय की नियमित साफ सफाई तो दूर यहां मिलने वाली सुविधाएं भी गायब है। छत पर रखी तीन पानी की टंकियां तीन रोज पहले आई आंधी के कारण उड़कर नीचे पड़ी है। टंकियों में पानी नहीं भरने के कारण सुलभ शौचालय अनुपयोगी साबित हो रहा है। वाशवेशन में सीमेंट के खाली प्लास्टिक के कट्टे भरे पड़े हैं। शौचालय सड़ांध मार रहे हैं। यहां आने वाली महिलाओं को टॉयलेट के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। शौचालय की दीवार पर लगी टाइल्स कई जगहों से उखड़ कर गिर गई है।

यहां के पुजारियों ने बताया कि पालिका प्रशासन की ओर से टंकियों में पानी भरने के लिए करीब 10 हजार लीटर क्षमता का होद भी बनवाया हुआ है लेकिन आज तक उसे भरना तो दूर टंकियों में पानी चढ़ाने के लिए ना तो मोटर है और न हीं कोई कनेक्शन किया हुआ है। यह भी बताया जा रहा है कि यहां के शौचालय के लिए पानी के लिए तीन टैंकर स्वीकृत है लेकिन उनकी खानापूर्ति कागजों में की जाती है।

पर्यटन महोत्सव के दौरान इन टंकियों को टैंकर से पाइप जोड़कर भरा गया था, जबकि होद में पानी भरकर कनेक्शन जोड़कर इन टंकियों को भरने का काम कागजों में तो दिखा रखा है लेकिन धरातल पर सब कुछ उल्टा है। सुलभ शौचालय में कुल 12 संडास बने हुए हैं, सफाई नहीं होने के कारण भयंकर गंदगी जमा है और अब अंदर कोई जाने की स्थिति में नहीं है। पुरुष मूत्रालय में बेकार का सामान भरा पड़ा है जिसे हटाने के लिए स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। 23 मई को देवयानी तीर्थ स्थल पर वार्षिक मेले का आयोजन होगा। इस दौरान हजारों श्रद्धालु यहां तीर्थ स्थल पर आते हैं ऐसी स्थिति में समय रहते सुलभ शौचालय की सुध लिए जाने की दरकार है।

देवयानी तीर्थ स्थल पर सुलभ शौचालय की दुर्दशा हो रही है।

- 10 हजार लीटर क्षमता का पानी का होद आज तक रीता पड़ा है
- टंकियों में पानी चढ़ाने के लिए आज तक नहीं हुआ कनेक्शन
- देवयानी तीर्थ स्थल पर 23 मई को भरेगा वार्षिक मेला

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 15 मई, 2024

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र दिन 3:25 तक, वृद्धि योग प्रात: 7:41 तक, विष्टि करण सांय 5:21 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:25 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा सांय 5:21 तक रहेगी। आज दुर्गाष्टमी, बुधाष्टमी, देवी बगला मुखी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:43 से 11:23 तक, चर 3:43 से 5:23 तक, लाभ 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:03

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें अभी यथावत बनी रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सुखमनी साहिब का पाठ आज से

अजमेर, (कासं)। शहीदों के सरताज धन धन सतगुरु साहिब श्रीगुरु अर्जुन देवजी का शहीदी दिवस आगामी 10 जून को मनाया जाएगा। इस उपलक्ष में गुरु नानक गंज गुरुद्वारा साहिब में स्त्री सत्संग सभा की तरफ से 15 मई से प्रतिदिन सायं 5 बजे से 6:30 बजे तक श्रीसुखमनी साहिब के पाठ होंगे। गंज व्यापारिक एसोसिएशन के सचिव पुखराज जंगम ने बताया कि श्रीगुरु नानक सभा गुरुनानक गंज गुरुद्वारे की महिला सत्संग सभा द्वारा विशेष कीर्तन दरबार मंगलवार रात 8 बजे से 9:30 बजे तक सजाया गया। रागी जत्थे भाई सतपाल सिंह, वीर तरनजीत सिंह छाबड़ा सतगुरु का लंगर दीवान की समाप्ति के उपरांत गुरु का लंगर की सेवा रखी गई।

उन्होंने बताया कि श्रीगुरु अर्जुन देवजी का शहीदी दिवस आगामी 10 जून को मनाया जाएगा। इस उपलक्ष में गुरु नानक गंज गुरुद्वारा साहिब में स्त्री सत्संग सभा की तरफ से 15 मई से प्रतिदिन सायं 5 बजे से 6:30 बजे तक श्रीसुखमनी साहिब के पाठ का आयोजन किया जाएगा। प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सभा गुरु नानक गंज, पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के महासचिव रमेश लालवानी, लक्ष्मणदास सदनानी आदि ने सुख्मनी साहिब के पाठ में अधिक से अधिक सम्मलित होने की सबसे अपील की है।

590 किलो अफीम डोडा-चूरा के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

अभियान के तहत राजन दुष्यंत पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की सदर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत नाकाबंदी के दौरान दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 590 किलो अफीम डोडा-चूरा के साथ बोलेरो पिकअप को बरामद करते हुए पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु निरन्तर चलाये जा रहे अभियान के तहत राजन दुष्यंत पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा, विमल सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाड़ा के निर्देशन व वृर्ताधिकारी सदर श्यामसुन्दर विश्नोई के निकटतम सुवरवीजन, उषा यादव आई.पी.एस (प्रो) थानाधिकारी थाना सदर के उक्त कार्रवाई की गई।

- **अवैध मादक पदार्थ की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत नाकाबंदी के दौरान दो अलग-अलग जगह कार्रवाई की**

जानकारी के अनुसार उषा यादव थाना प्रभारी मय जाब्ता द्वारा कोटड़ी चौराहे पर नाकाबंदी कार्रवाई कर आने-जाने वाले वाहनो को रोका जाकर चैक किया जा रहा था कि दौरान सवाईपुर की तरफ से एक सफेद बोलेरो पिकअप आई, जिसके चालक का नाम पता पूछा तो अपना नाम यशवंत कुमार पुत्र शंभुलाल कुमावत निवासी धमांचा थाना बेंगु जिला चित्तौड़गढ़ होना बताया।

मौके पर तलाशी ली तो बोलेरो पिकअप के डाले में सफेद कपास रूई के नीचे 11 प्लास्टिक कट्टों में डोडा-चूरा भरा होना पाया गया जिनका वजन किया तो कट्टों सहित कुल वजन 226 किलो 51 ग्राम होना पाया गया। यशवंत कुमार पुत्र शंभुलाल कुमावत को गिरफ्तार किया जाकर अनुसंधान श्यामसुन्दर वृताधिकारी वृत सदर भीलवाड़ा के जिम्मे किया गया। इस दौरान अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा आपूर्तिकर्ता गजराज पुत्र

सदर थाना पुलिस ने डोडा-चूरा के साथ तस्करों को गिरफ्तार किया।

देवकरण गुर्जर निवासी कालियास थाना शंभुगढ़ जिला भीलवाड़ा एवं लालुराम पुत्र शंकरलाल धाकड़ निवासी कांकरीया तलाई थाना रतनगढ़ जिला नीमच मध्यप्रदेश को भी गिरफ्तार किया गया।

364 किलो डोडा-चूरा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार:- भीलवाड़ा शहर की सदर थाना पुलिस ने एक कार से 364 किलो डोडा-चूरा के साथ चित्तौड़गढ़ जिले के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

सदर थाना पुलिस ने बताया कि पुलिस ने रूपाहेली चौराहा से धुमडास-पौंड्रांस रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक बिना नंबरी को कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके दो युवक सवार थे। चालक ने खुद को चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार थाना इलाके के सोनियाणा गांव का निवासी संजय (33) पुत्र देवी किशन शर्मा, जबकि उसके पास बैठे युवक ने खुद को सारण निवासी भैरू (35) पुत्र गिरधारी गुर्जर होना बताया।

कार में तोड़फोड़ कर बुजुर्ग व महिला से मारपीट

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मदनगंज थाना अंतर्गत सिटी रोड पर मंगलवार को कार-बाइक की टक्कर के दौरान कार में तोड़फोड़ कर महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है।

बेखौफ युवकों द्वारा खुलेआम गाली-गलौच करते हुए कार में तोड़फोड़ कर बुजुर्ग सहित महिला व बच्चों के साथ मारपीट करने से दशहत का माहौल व्याप्त हो गया। घटना से आहत पीड़ित परिवार ने पुलिस के समक्ष शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार टांक पेट्रोल पंप के पास रहने वाले नेमीचंद दोषी मैरिज एनिवर्सरी के दिन दान- पुण्य कर घर लोट रहे थे। इस बीच सुमेर सिटी सेंटर के पास चलती कार के बााइक अड़ने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। बाइक सवार युवक गाली-गलौच करते हुए कार सवार नेमीचंद सहित महिला व बच्चों के साथ धक्का-मुक्की कर मारपीट करने लग गये।

मारपीट का वीडिओ वायरल होने के बाद सभी ने घटना के प्रति रोष व्यक्त किया है। मदनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार-समाचार

मेक्रेम एग्जीबिशन का आयोजन

ब्यावर, (निसं)। श्री वर्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्धमान इंस्टिटय्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग द्वारा मेक्रेम प्रोडक्ट एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा निर्मित मेक्रेम से बने विभिन्न सजावटी व उपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गयी। प्रशिक्षका शबाना शेख के दिशानिर्देशन में छात्राओं ने मेक्रेम कला की बारीकियों की जानकारी ली। इस प्रदर्शनी में मेकरेम से बने वॉल हैंगिंग, बैग, कीचेन, पॉट हैंगर, ज्वैलरी, बांधनवार आदि का प्रदर्शन किया गया।समिति मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख ने छात्राओं को घर बैठे ही इन स्किल्स को सीखकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया।महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढ़ा ने छात्राओं की कला की प्रशंसा करते हुए इसी प्रकार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।अकादमिक प्रभारी डा. नीलम लोढ़ा ने इन स्किल्स को आज के समय की एक आवश्यकता बताते हुए छात्राओं को लर्न एंड अर्न की महत्वता बताई।इस अवसर पर व्याख्याता छवि गरवाल, रितु प्रजापति, सुमन अग्रवाल, प्रियंका मंगरोला, पूजा कांजानी, सहित समस्त संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।

उबलती चाय गिरने से झुलसे तीन छात्र

अजमेर, (कासं)। बांदर सिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की मेगा मैस में मंगलवार सुबह उस समय तफरा-तफरी मच गई जब उबलती चाय का भगोना तीन छात्रों के ऊपर गिर गया, जिससे छात्र बुरीतरह झुलस गए। झुलसे छात्रों को उपचार के लिए मार्बल सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी की मेगा मैस में सवेरे छात्र नाश्ते और चाय के लिए लाइन में लगे थे। इस दौरान उबलती चाय का भगोना यकायक कर्मचारी के हाथ से छिटक कर नीचे गिर गया। गरम चाय के छींटे उछलने से तीन छात्र झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए मार्बल सिटी अस्पताल पहुंचाया गया। इस संबंध में यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मेगा मैस के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र एकत्र हो गए और नारेबाजी कर यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने लगे।

होण्डा का केम्पस प्लेसमेंट में 16 को

अजमेर, (कासं)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माखुपुरा में होण्डा कार इण्डिया लिमिटेड टपुकड़ा द्वारा केम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव आयोजित की जाएगी। संस्थान के उपनिदेशक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि 16 मई को सुबह 10 बजे से केम्पस ड्राइव का आयोजन प्रस्तावित है। इस केम्पस प्लेसमेन्ट में वर्ष 2021 से फीटर, ऑटोमोबाईल, एवं मशीनीष्ट व्यवसाय से आईटीआई पास पुरूष अभ्यार्थी भाग ले सकते है। आयु सीमा फ्रेशर अभ्यार्थी के लिए 18 से 23 वर्ष एवं अनुभवी अभ्यार्थी के लिए 19 से 25 वर्ष हैं। कम्पनी द्वारा अप्रेन्टिशिप के लिए फ्रेशर अभ्यार्थी एवं अनुभवी अभ्यार्थीयों को फिक्सड टर्म एसोसिएट पद पर भर्ती की जाएगी। वेतन लगभग अप्रेन्टिशिप में 12850 रूपए एवं फिक्सड टर्म में 24250 रूपए देय होगा। उन्होंने बताया कि सभी भाग लेने वाले अभ्यार्थीयों को अपने साथ पास पोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड एवं अपने मूल दस्तावेज मय फोटो कोपी लेकर उपस्थित होना होगा। कुल रिक्त पद लगभग 150 है। यह केम्पस प्लेसमेन्ट केवल राजस्थान के अभ्यर्थियों के लिए हैं।

मुख्य सूची में 138 अभ्यर्थी सफल घोषित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कनिष्ठ विधि अधिकारी (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के साक्षात्कार का परिणाम जारी कर दिया गया है। इसमें टीएसपी क्षेत्र के 5 एवं नॉन टीएसपी क्षेत्र के 133 अभ्यर्थी मुख्य सूची में सफल घोषित किए गए हैं। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों की लिखित परीक्षा का आयोजन 4 एवं 5 नवंबर 2023 को किया गया था। इसके तहत जारी परीक्षा परिणाम में अस्थाई रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार का आयोजन 5 चरणों में 27 फरवरी 2024 से 9 मई 2024 तक किया गया था। साक्षात्कार उपरांत संबंधित सेवा नियमानुसार टीएसपी एवं नॉन टीएसपी क्षेत्र के लिए विज्ञापित पदों के विरूद्ध अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

समिति व्यवस्था बैठक आज

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान समारोह समिति द्वारा 858 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में 15 मई को शाम 6 बजे रसोई बेनकॉट हॉल स्वामी कॉम्पलेक्स कचहरी रोड पर बैठक रखी गई है, जिसमें कार्य विभाजन व रूपरेखा तय की जाएगी। समारोह समिति के साथ सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेगें। सभी कार्यक्रमों में अजमेर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, पर्यटन विभाग, भारतीय इतिहास संकलन समिति, पृथ्वीराज चौहान ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक शोध केन्द्र मदस विश्वविद्यालय व समारोह समिति का सहयोग रहेगा।

प्रविष्टियों में संशोधन का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता-यांत्रिकी (भू-जल विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 में संशोधन का अवसर दिया गया है। 15 मई से 24 मई 2024 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन किए जा सकेंगे। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन 30 जून 2024 को किया जाना प्रस्तावित है। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे।

स्टेशन पर धूम्रपान करने वालों की अब खैर नहीं

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेलवे स्टेशन व प्लेटफार्म पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ अजमेर जीआरपी व आरपीएफ द्वारा सघन अभियान चलाया जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। रेलवे विभाग को सूचना मिल रही थी कि कुछ असामाजिक तत्व स्टेशन के अंदरप्लेटफार्म पर स्वचलित स्केलेटर का स्वीच बंद कर देते हैं, जिससे यात्रियों को पेशानी का सामना करना पड़ता है। प्लेटफार्म पर धूम्रपान करते है।

अजमेर मंडल के सीनियर डीसीएम सुनील महला ने बताया कि अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर लगे पंखे में गत दिनों हुई बारिश के कारण बरसात का पानी किसी एक पंखें में चले जाने के कारण विद्युत केबल में फाल्ट होने से कुछ समय के लिए पंखे बंद हो गए थे, जिन्हें सूचना मिलते ही रेलवे विभाग के इलेक्ट्रीशियन बुलाकर कर फॉल्ट को सुधारते हुए पंखें चालू कर दिए। जहां कुछ देर के लिए यात्रियों को परेशान होना पडा, तो वही रेलवे स्टेशन पर स्वचालित सीढियों पर आजकल रील बनाने वाले व असामाजिक तत्वों द्वारा स्वचालित सीढियों पर लगे आपातकालीन स्वीच को दबा देते है, जिसके कारण यह सीढियां बंद हो जाती है। यात्रियों द्वारा सूचना देने पर वापस स्वीच को री-स्टार्ट करने पर ही सीढियां चालू होती है। कुछ असामाजिक तत्व प्लेफार्म पर आकर धूम्रपान करते हैं। इसके लिए अब अजमेर रेलवे स्टेशन व प्लेटफार्म पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ अजमेर जीआरपी व आरपीएफ को दिशा निर्देश दिए गए हैं।

अजमेरवासियों को जल्द मिलेगा फॉयसागर झील से पीने का पानी

अजमेर, (कासं)। अजमेर उत्तर से भाजपा विधायक व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रयासों से जल्द ही अजमेर की जनता को फॉयसागर झील का पानी पीने के लिए मिलेगा। इसके लिए जलदाय विभाग ने विशेष रूप से व्यवस्था की है। इससे भीषण गर्मी के मौसम में जनता को हो रहे पेयजल किल्लत से भी निजात मिलेगी।

जन स्वास्थ्य एवं अभियात्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता देवराज सोलंकी ने बताया कि फॉयसागर क्षेत्र के हजारों क्षेत्रवासियों को पेयजल समस्या से दो चार होना पड रहा है। क्षेत्रवासियों की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए विधानसभा

फॉयसागर झील के पानी को फिल्टर कर उसे पीने योग्य बनाया जायेगा।

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर अजमेर की फॉयसागर झील के पानी को फिल्टर कर उसे पीने योग्य बनाया जाने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र के लोगो की पेयजल समस्या दूर हो सकेगी। सोलंकी ने बताया कि इससे

- **अजमेर जलदाय विभाग ने पूरी की तैयायिां**
- **देवनानी के प्रयास लाए रंग**

लगभग तीन एमएलडी पानी की सप्लाई की जाएगी। इसके लिए विशेष रूप से फिल्टर टेंक तैयार किया गया है। साथ ही अब लाइनों की टेस्टिग व अन्य कार्य किए जा रहे है। सोलंकी ने दावा किया कि आगामी एक सप्ताह में इस प्लांट से फॉयसागर के क्षेत्रवासियों को पेयजल मिलना शुरू हो जाएगा।

21वां सामूहिक विवाह सम्मेलन

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय खटीक महासभा (संकल चौरासी) के तत्वाधान में खटीक समाज का 21वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 16 मई को ब्यावर रोड बकरा मंडी स्थित व्यापारिक विश्राम गृह में आयोजित किया जाएगा। विवाह समारोह में 13 जोड़े हम सफर बनेंगे।

अखिल भारतीय खटीक महासभा की ओर से मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर महासभा के अध्यक्ष छीतरमल टेपण व महामंत्री विजय नागोरा समारोह की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अलवर, अजमेर, पाली, उदयपुर, ब्यावर, शाहपुरा, दुदु, राजसमंद, जयपुर, डीडवाना, भीलवाड़ा जिलों सहित एक वधु मध्य प्रदेश के रतलाम निवासी विवाह सम्मेलन में भाग लेंगे।

- **खटीक समाज का 21वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 16 मई को ब्यावर रोड बकरा मंडी स्थित व्यापारिक विश्राम गृह में आयोजित किया जाएगा, 13 जोड़े कल बनेंगे हमसफर**

जिम्मेदारियां सौंपी:-

नागौरा ने बताया कि समारोह के लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि 16 मई को प्रातः 8 से 9 बजे महासभा वर पक्ष की अगुवानी की जाएगी, जिसके प्रभारी मोतीलाल चंदेल, मोहनलाल दायमा, कन्हैयालाल बागडी व मदनलाल सोलंकी को बनाया है। प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक वर पक्ष की बिन्दौली निकाली जायेगी।

वर पक्ष घोड़ी पर सवार होकर 10 बजे व्यापारी विश्राम गृह पर पहुंचेंगे। व्यापारी विश्राम गृह के मुख्य द्वार पर वधु पक्ष की माताओं द्वारा तिलक आरती कर दूल्हों का स्वागत किया जाएगा और तोरण की रस्म मोतीलाल चंदेल व भगवानदास नागौरा द्वारा करवाई जाएगी। प्रातः 10 से 11 बजे तक स्टेज पर वरमाला का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके प्रभारी विजय नागौरा, शैतानसिंह सांखला, मंगलराम चांवला को बनाया गया है।

वरमाला के तुरंत बाद पाणिग्रहण संस्कार आयोजित किया जाएगी। वेदी पर दूल्हा-दुल्हन अपना आसन ग्रहण करेंगे, जहां पंडितों द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पाणिग्रहण संस्कार प्रातः 11 से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा, दोपहर 3 बजे विदाई समारोह होगा, जिसके प्रभारी मोतीलाल चंदेल, विजय नागौरा को बनाया गया है। मौके पर ही विवाह पंजीकरण हेतु प्रभारी टीकमचंद टांक, मोहनलाल दायमा, डॉ. घीसालाल चांवला व सुरेश नागौरा को बनाया गया है। अतिथि के रूप में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को आमंत्रित किया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा आज से

अजमेर, (कासं)। शास्त्री नगर स्थित स्टार क्वीन मैरिज गार्डन में मुकुट बिहारी रंगा परिवार की ओर से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महापुराण का आयोजन 15 से 22 मई तक होगा। कथा का वाचन मंदिर बरसाना मथुरा के पंडित सुरेशचंद्र शास्त्री अपनी अमृतमयी वाणी करेंगे। कथा का शुभारंभ बुधवार को कलश यात्रा के साथ होगा। कथा के पदाधिकारी डॉ. एसडी मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा वाचक सुरेश चंद्र शास्त्री के सानिध्य में बुधवार सुबह 11 बजे से स्टार क्वीन मैरिज गार्डन के पास मंदिर से कलश यात्रा एवं श्रीमद्भागवत महात्म्य यात्रा शुरू होगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए कथस्थल पर संपन्न होगी। कथा प्रतिदिन दोपहर 1:30 से सायं 6:30 बजे तक होगी।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि 22 मई को प्रातः 10 बजे हवन एवं पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा। श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी रंगा परिवार की ओर से कराई जाएगी।

पर्यावरण प्रकल्प के अंतर्गत बांधे परिंडे

मसूदा, (निसं)। मसूदा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी क्षेत्राधिन राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहगढ़ (शेरगढ़) में मंगलवार को पर्यावरण प्रकल्प के अंतर्गत पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए।

शेरगढ़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज शर्मा व पंचायत समिति मसूदा वरिष्ठ लेखाकार ऋषि कुमार शर्मा एवं भारत विकास परिषद शाखा बांदनवाड़ा के अध्यक्ष त्रिलोक जांगिड़ की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए तप्त गर्मी में राहत प्रदान करवाने के लिए परिंडे लगाए गए।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद शाखा केकड़ी के सदस्य एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ विष्णु कुमार तेली ने विद्यालय के विद्यार्थियों को पर्यावरण में उपस्थित पक्षियों के महत्व को बताते हुए पक्षियों के लिए परिंडो की उपयोगिता की व्याख्या की एवं विद्यार्थियों और विद्यालय के अध्यापकों को परिंडो में निरंतर पानी डालने की जिम्मेदारी भी प्रदान की।

ध्यातव्य हैं कि भारत विकास परिषद द्वारा पर्यावरण प्रकल्प के अंतर्गत प्रतिवर्ष ग्रीष्म ऋतु में बेजुबान पक्षियों के पानी पीने हेतु शहरों एवं गांवों में स्थित विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थानों पर लगे हुए पेड़ो पर परिंडे बांधे जाते है ताकि पानी के अभाव में कोई भी पक्षी की जान नही जाए।

मंगलवार को परिण्डे बांधने के कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापक दिलीप सिंह पंवार, सांवरलाल शर्मा, संजीदा बानो डायर, प्रेमचंद यादव, शारीरिक शिक्षक जसराज खटीक, प्रमोद शर्मा, तरुण पांचाल तथा शेरगढ़ विद्यालय के अध्यापक राम प्रसाद शर्मा, एसएमसी अध्यक्ष नारायण तेली व गजराज जाट उपस्थित रहे।

निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन

अजमेर, (कासं)। राजकीय आयुर्वेद औषधालय प्रकाश रोड, नागबाई में निःशुल्क अस्थि घनत्व जांच शिविर का आयोजन 14 मई को सुबह 9 से 2 बजे के मध्य किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. धीरज उपाध्याय ने बताया कि लगभग 150 मरीजों में से 130 मरीजों की हड्डियां कमजोर पाई गई।

आम सूचना

मेरी माता सरजू पत्नि चन्दा जाति भांभी निवासी चौसला की मृत्यु दिनांक 15-10-1981 को मेरे निवास स्थान चौसला में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी माता सरजू का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- रामप्रसाद पुत्र चन्दा जाति भांभी निवासी चौसला तहसील अराई (अजमेर)

बड़े निजी स्कूल नहीं दे रहे आर.टी.आई में बच्चों को दाखिला, कलेक्टर से लगाई गुहार

परेशान अभिभावकों ने सौंपा ज्ञापन, कार्यवाही की मांग

अजमेर, (कासं)। राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के नियम के तहत गरीब परिवार के बच्चों का प्राइवेट स्कूलों में निःशुल्क दाखिला दिलाया जाता है। लेकिन सरकार की इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवार के बच्चों को कम खर्च में बेहतर शिक्षा दिलवाना है, लेकिन बड़े निजी स्कूल इस योजना को ठेंगा दिखाते हुए स्कूलों में एडमिशन नहीं दे रहे है। ऐसा ही मामला अजमेर के अलवर गेट स्थित मयूर स्कूल का सामने आया है।

स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों के बच्चों को स्पष्ट एडमिशन देने से इंकार कर दिया है। परेशानी अभिभावकों ने मंगलवार को जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

मंगलवार को एडवोकेट पवन कुमार बैरवा के नेतृत्व में 10 से 12 अभिभावक बच्चों के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला कलेक्टर डॉ.भारती दीक्षित से मुलाकात कर उन्हें शिकायती पत्र सौंप कर अलवर गेट स्थित मयूर स्कूल द्वारा आरटीई के तहत नंबर आने के बाद भी बच्चों को

जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने आए अभिभावक।

एडमिशन नहीं दिए जाने की शिकायत की है।

एडवोकेट बैरवा ने बताया कि आरटीई के प्रावधान के तहत भारत सरकार द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के लिए केंद्र व राजय सरकार द्वारा कई प्रयास किए जा रहे, लेकिन कुछ ऐसे स्कूल है जो बच्चों को आरटीई के तहत एडमिशन फार्म तो दे देते है, लेकिन बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। अभिभावकों ने आरटीई के तहत कक्षा प्रथम के लिए फार्म भरा था। अलवर गेट स्थित मयूर स्कूल में कुछ बच्चों का नंबर आया था, जब अभिभावक बच्चों के साथ स्कूल पहुंचे तो स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को दाखिल देने से साफ इंकार कर दिया।

मीडिया को जानकारी देते हुए अभिभावक कविता व भारती लालवानी सहित अन्य ने बताया कि मंगलवार सुबह जब हम बच्चों को लेकर मयूर स्कूल पहुंचे तो स्कूल के गार्ड ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया और कहा कि स्कूल में एडमिशन बंद है। उन्होंने बताया कि मयूर स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों से कहा कि तीन साल स्कूल में आरटीई के तहत बच्चों का एडमिशन नहीं लिया जा रहा है। अभिभावकों ने कहा कि समय बीत जाने के बाद अब हम अन्य किसी स्कूल में भी बच्चों एडमिशन नहीं करवा सकते, क्योंकि स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया हो चुकी है।

अभिभावकों ने जिला कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए कार्यवाही की जाए। कलेक्टर डॉ. दीक्षित ने अभिभावकों को आश्वासन दिया है कि स्कूल प्रबंधन से बात की जाएगी।

तैयारियों का लिया जायजा

अजमेर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव- 2024 के तहत 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बीच जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित और पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय परिसर स्थित मतगणना स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित और पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने गणना स्थल पर कार्मिकों व चुनाव व गणन अभिकर्ताओं की प्रवेश व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने फोटो युक्त अधिकृत प्रवेश पत्र के बिना किसी भी व्यक्ति को गणना स्थल पर प्रवेश नहीं देने के निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर के अंदर की जा रही सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की।

उन्होंने पर्यवेक्षक की बैठक व्यवस्था, आरओ कक्ष एवं मतगणना कक्ष का भी निरीक्षण कर चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप सभी तरह के बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। मीडिया सेल, एनआईसी सेल, जलपान व्यवस्था, सामान्य व्यवस्था प्रकोष्ठ आदि का भी निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित कर कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया का सबसे अंतिम और महत्वपूर्ण कार्य मतगणना है।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की चन्द्रवरदाई नगर योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या A-324 क्षेत्रफल 50 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती कविता तायल पत्नि श्री संदीप तायल निवासी चन्द्रवरदाई नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 14/5/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः श्री संदीप तायल पुत्र स्व. सतीश चन्द तायल निवासी चन्द्रवरदाई नगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के सबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ग्राम नौसर योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या 527 क्षेत्रफल 100 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति (1) श्रीमती कमला कंवर उर्फ अम्बा कंवर पत्नि स्व. देवेन्द्र सिंह (2) रंजीता राठौड पत्नि अनूप शर्मा निवासी वैशाली नगर अजमेर जिसमें (माता) श्रीमती कमला कंवर उर्फ अम्बा कंवर पत्नि स्व. देवेन्द्र सिंह की मृत्यु दिनांक 21/5/2018 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) श्रीमती रंजीता राठौड पत्नि अनूप शर्मा निवासी 303 बापू नगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के सबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय-नगर पलिका सावर-राजस्थान

क्रमांक/नपासा/कृ.भू.रू./2024-25/66 दिनांक: 14/5/2024

लोक सूचना

मामला सं.

श्री हेमेन्द्र जैन पुत्र भागचन्द, श्री दीपक पुत्र श्री शोभागमल, श्री अंकित जैन पुत्र श्री सुरेश श्री वर्धमान पुत्र श्री लाभचन्द, श्री विलोक पुत्र श्री विमल निवासी सावर तह. सावर जिला केकड़ी ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर - कृषि (अकृषि) आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

जिले और तहसील का नाम	ग्राम/कस्बा का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
केकड़ी - सावर	सावर	2487, 2488, 6152/2487 6219/2488 कुल खसरे 04	0.53 है0, 0.21 है0 0.09 है0, 0.18 है0 कुल रकबा 1.01 है0

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू- राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने औश्र अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप - नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 14.05.2024 को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी का नाम और मुहर

खानपुर महराणा में पुलिस से घिरा देख बदमाश ने खुद को गोली मारी, मौत

हरियाणा की एस.टी.एफ. पुलिस पीछा कर रही थी, बदमाश पर पांच हजार का इनाम था

खेतडी, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के खानपुर महराणा में मंगलवार दोपहर को हरियाणा के एक बदमाश ने खुद को गोली मारी ली। बदमाश को पकड़ने के लिए हरियाणा की एसटीएफ टीम पीछा कर रही थी। बदमाश ने दो हवाई फायर करने के बाद अपने आप को पुलिस से घिरा देखकर कनपटी में गोली मार ली। घटना की सूचना पर झुंझुनूं एसपी राजर्षि राज वर्मा मौके पर पहुंचे तथा घटना स्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि हरियाणा का एक इनामी बदमाश सिंघाना थाना क्षेत्र के खानपुर महाराणा में आया हुआ था, जिसकी बहादुरगढ़ एसटीएफ लगातार लोकेशन ट्रेस कर रही थी। बदमाश की लोकेशन खानपुर में होने पर हरियाणा एसटीएफ की ओर से खानपुर क्षेत्र में घेरकर पकड़ने का प्रयास किया तो बदमाश गांव में बने एक आश्रम से निकलकर खेतों की ओर भागने लगा। जब एसटीएफ के जवानों ने उसका पीछा किया तो वह खेतों में लगी तारबंदी के ऊपर से छलांग लगाता हुआ खेतों में भागने का प्रयास किया। एसटीएफ के जवानों ने जब बदमाश को पुलिस के सामने सरेंडर करने के लिए कहा तो उसने पुलिस पर एक हवाई फायर कर डराने का प्रयास किया, लेकिन एसटीएफ के जवानों ने जब उसकी घेराबंदी की तो उसने अपने आप को घिरा देखकर अपनी कनपटी के ऊपर गोली मार ली। गोली लगने से वह घायल हो गया तो एसटीएफ के जवान उसे सिंघाना के राजकीय अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोली लगने से घायल बदमाश को एसटीएफ के जवान सिंघाना के राजकीय अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- झुंझुनूं एसपी राजर्षि राज वर्मा मौके पर पहुंचे तथा घटना स्थल का मौका मुआयना किया

पुलिस के मुताबिक बदमाश की पहचान कलियाणा जिला चरखी दादरी निवासी संजय प्रजापति उर्फ भेडिया पुत्र लखीराम के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक बदमाश के शव को खेतडीनगर केसीसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। घटना की सूचना पर एसपी राजर्षि राज वर्मा, एसटीएफ डीएसपी ललित दलाल, बुहाना डीएसपी नोपाराम भाकर, थानाधिकारी कैलाशचंद्र यादव, एएसआई विद्याधर शर्मा ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। इस दौरान झुंझुनूं से डॉग स्कवायड व एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। हरियाणा एसटीएफ की ओर से एसआई धर्मवीर सिंह, एसआई नरेश कुमार, एचसी रवि कुमार, विकास कुमार, कुलदीप, मोहित आदि शामिल थे।

15 हजार की रिश्वत लेते ए.एस.आई. गिरफ्तार

दुर्घटना प्रकरण में नॉर्मल कार्रवाई करने की एवज में ए.एस.आई. ने रिश्वत मांगी थी

कोटकासिम पुलिस थाने में एसीबी की टीम कार्रवाई की।

कोटकासिम, (निसं)। खैरथल-तिजारा जिले के कोटकासिम पुलिस थाने पर कार्यरत एएसआई रघुवीर मीणा को एसीबी की टीम ने पंद्रह हजार रुपए की रिश्वत के मामले में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत एक्सीडेंट मामले में नॉर्मल करवाई की एवज में मांगी गई थी। यह कार्रवाई एसीबी टीम के परमेश्वर लाल यादव के नेतृत्व में की गई।

एसीबी एडिशनल एसपी परमेश्वर लाल यादव ने बताया कि 8 मई को परिवादी ने एसीबी को शिकायत की कि कोटकासिम पुलिस थाने में कार्यरत एएसआई रघुवीर मीणा 15 हजार की रिश्वत की मांग कर रहा है। परिवादी की शिकायत पर सत्यापन किया गया जिसमें एएसआई रघुवीर मीणा की ओर से रिश्वत की मांग करना व रिश्वत के दो हजार रुपए लेना पाया गया। इस दौरान एएसआई छुट्टी पर चला गया। छुट्टी से वापस आने पर एएसआई ने परिवादी को फोन कर थाने बुलाया। एसीबी टीम ने कार्रवाई कर एएसआई रघुवीर मीणा को परिवादी से रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। गौरतलब है कि 7 मई को एसीबी द्वारा तत्कालीन उपखंड अधिकारी द्वारा 12.50 लाख रूपये की रिश्वत मांगने के प्रकरण में एसीबी की टीम द्वारा कार्रवाई की गई थी।

109 किलो डोडा-पोस्त जब्त

दो हजार का इनामी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, वृताधिकारी के निकटतम सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम व साकेत नगर थानाधिकारी सुरेश चौधरी मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुऐ ब्रेजा कार से 6 कट्टो में भरे 109.900 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त कर परिवहन में प्रयुक्त वाहन को किया जब्त किया।

- परिवहन में प्रयुक्त ब्रेजा कार बरामद, चालक फरार

जानकारी के अनुसार जिला स्पेशल टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि केन्द्रीय विद्यालय से सिंघाडिया जाने वाली सड़क के पास नरबदखेड़ा जाने वाले कच्चे रास्ते के मोड़ पर एक ब्रेजा कार खड्डे में खड़ी हैं। सूचना पर जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी सुरेश चौधरी मय टीम के मौके पर पहुंचे तो खड्डे एक सफेद ब्रेजा कार खड़ी मिली। जिसकी तलाशी ली गई तो गाड़ी में प्लास्टिक के कट्टे मिले जिनमें 109.900 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त मिला। कार की तलाशी में फर्जी नम्बर प्लेटें मिली जिनको जब्त किया गया। ब्रेजा कार का चालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है।

साकेत नगर थाना पुलिस ने कार से डोडा-पोस्त जब्त किया।

चूरू, (कासं)। दूधवाखारा थाना पुलिस ने दो हजार रुपए के एक इनामी स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि ऑपरेशन शिकंजा के तहत अति. पुलिस अधीक्षक चूरू लोकेन्द्र दादरवाल आरपीएस व वृताधिकारी वृत चूरू सुनिल कुमार झाझड़िया आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी दूधवाखारा रतनलाल उनि. के नेतृत्व में जिला स्पेशल टीम प्रभारी संजय कुमार हैड कानि. मय टीम द्वारा थाना स्तर पर चिन्हित टॉप-10 एवं इनामी स्थाई वारंटी सतीश कुमार पुत्र शीशराम जाट उनिवासी खेमाणा पुलिस थाना राजगढ़ जिला चूरू को गिरफ्तार किया है। वारंटी सतीश कुमार की गिरफ्तारी पर 2000 रुपए का इनाम घोषित था। स्थाई वारंटी सतीश कुमार हत्या के प्रयास के प्रकरण में करीब 12 वर्ष से फरार चल रहा था। उक्त कार्रवाई में साईबर सैल चूरू का भी अहम योगदान रहा है।

पेपर आउट करवाकर नकल कराने वाले गिरोह के दो लोग गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। प्रदेश में पेपर आउट करवाकर नकल कराने वाले गिरोह के सरगना जगदीश सारण के तार पाली से भी जुड़े हुए हैं। रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ तो आरोपियों ने नेनाराम पटेल का अपहरण कर लिया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया तो मामले का खुलासा हुआ।

सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी ने बताया कि पाली जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के सेदरिया गांव का नेनाराम पटेल व जोधपुर के मोगड़ा का हरीश पटेल नकल गिरोह सरगना जगदीश से मिले हुए थे। इन दोनों ने जेईएन, शिक्षक, सीएचओ, टैक्नीकल हैल्पर जेसी दस से ज्यादा परीक्षाओं में पेपर आउट कर अयर्थियों को नकल कराकर नौकरी पर लगवाया था। जगदीश के पकड़े जाने के बाद अभ्यर्थियों से लिए रुपयों के बंटवारे को लेकर विवाद में दो दिन पहले हरीश ने अपने साथी की मदद से सेदरिया गांव से नैनाराम पटेल का अपहरण किया और विवाद निपटने पर वायद के पास छोड़ दिया था। हालांकि नैनाराम ने अपने अपहरण की घटना से इंकार किया, लेकिन पुलिस ने छानबीन करते हुए हरीश व उसके साथी को पकड़ा तो नकल गिरोह और पेपर आउट का खुलासा हुआ। सोमवार देर रात को एसओजी की टीम आरोपी हरीश व नैनाराम को लेकर जयपुर गई। पता चला कि दोनों आरोपियों ने पेपर आउट का अभ्यर्थियों से लाखों रुपए वसूले थे। अब एसओजी की टीम जयपुर ले जाकर दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ करेगी।

प्रदेश में पेपर आउट करवाकर नकल कराने वाले गिरोह के दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रोपर्टी कारोबार की आड़ में करा रहे थे पेपर आउट :- जानकारी के अनुसार सेदरिया गांव का नैनाराम पटेल और मोगड़ा गांव का हरीश उर्फ हरीराम पटेल आपस में रिश्तेदार है। दोनों आरोपी प्रोपर्टी कारोबार की आड़ में पेपर आउट कराकर नकल गिरोह के सरगना जगदीश निवासी सांचौर से जुड़े हुए थे। दोनों ने पेपर आउट में कमाए रुपए से जोधपुर, पाली व जैतपुर-वायद में प्रोपर्टी कारोबार में लगाए ताकि किसी को उन पर संदेह न हो। दोनों ने नई लग्जरी गाड़ियां भी खरीदी। पिछले दिनों एसओजी ने नकल गिरोह के सरगना जगदीश समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अयर्थियों से नकल के बदले लिए गए रुपए नैनाराम व हरीश के पास रह गए। इन रुपयों को लेकर हिसाब-किताब में गड़बड़ी से दोनों में दुश्मनी पैदा हो गई।

अपहरण की घटना पर डाला पर्दा, केस भी दर्ज नहीं :- 11 मई की शाम को सेदरिया गांव से कुछ लोग नैनाराम पटेल को जबरन गाड़ी में डाल कर ले गए। नैनाराम के परिजनों से अपहरण की सूचना पर सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी व जैतपुर एसएचओ राजेंद्रसिंह की टीम ने नाकाबंदी कराते हुए आरोपियों की तलाश तेज की। शाम को सेदरिया गांव का नैनाराम पटेल पुलिस को वायद गांव से मिल गया। जिसने कहा कि प्रोपर्टी कारोबार को लेकर लेनदेन में वह अपनी मर्जी से गाड़ी में बैठकर गया था। उसने पुलिस को गुमराह करते हुए कहा कि उसका अपहरण नहीं हुआ। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपहरण की घटना में शामिल जोधपुर के मोगड़ा निवासी हरीश उर्फ हरीराम पटेल व झंवर के खुडाला गांव के अनेकराम विश्नोई को गिरफ्तार किया तो नैनाराम ने अपहरण का केस दर्ज कराने से इंकार कर दिया। समाज के लोगों ने भी नैनाराम के परिजनों से समझाइश कर केस दर्ज कराने से इंकार कर दिया।

- प्रदेश में पेपर आउट करवा नकल कराने वाले गिरोह के सरगना जगदीश सारण के तार पाली से भी जुड़े

इस पर पुलिस को मजबूरन इन तीनों आरोपियों को रविवार को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार करना पड़ा। पुलिस ने तीनों से अलग-अलग पूछताछ की तो पता चला कि हरीश व नैनाराम नकल गिरोह से जुड़े हैं। पुलिस के इनपुट के बाद एसओजी की टीम सोमवार शाम को रोहट पहुंची और दोनों आरोपियों को जमानत पर छूटते ही अपनी हिरासत में लिया। देर रात को एसओजी दोनों को डिटेल पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई।

पंचायत समिति प्रधान सहित कई जनों पर एफ.आई.आर. दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर क्षेत्र ग्राम पंचायत रतनपुरा में फर्जी दस्तावेजों से निर्माण की स्वीकृतियां जारी करने के मामले में पंचायत समिति पदमपुर प्रधान सुनीता पूनिया, प्रधान पति हनुमान पूनिया, तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी अरविन्द सहारण व सांवला राम और लेखा सहायक जगदीश गाबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पदमपुर क्षेत्र ग्राम पंचायत रतनपुरा (75 एलएनपी) के मौजूदा सरपंच प्रतीक दहिया पुत्र चन्द्रदत्त दहिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम पंचायत के वार्षिक योजनाओं के कार्य ग्राम पंचायत के सरपंच के प्रस्ताव अनुसार पंचायत समिति की ओर से अनुमोदित करवाए जाते हैं, लेकिन राजनीतिक द्वेष भावना के चलते ग्राम पंचायत रतनपुरा के लेटरपैड व सरपंच के फर्जी हस्ताक्षर कर पंचायत समिति प्रधान सुनीता पूनिया, प्रधान पति हनुमान पूनिया व तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी अरविन्द सहारण व सांवला राम और लेखा सहायक जगदीश गाबा ने षडयंत्र पूर्वक कूटरचित दस्तावेज तैयार कर स्वीकृतियां निकाली।

- प्रधान पति, तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी और लेखा सहायक के खिलाफ मामला दर्ज हुआ

इसमें रतनपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में खेल सामग्री आपूर्ति के लिए वित्तीय स्वीकृति 6 जनवरी 2023 को निकाली गई। इसमें कार्यालय ग्राम पंचायत रतनपुरा के दस्तावेजों में नये निर्माण कार्यों के कार्य पूर्व प्रस्ताव ग्राम पंचायत की बैठक में नहीं किए गए बल्कि इन लोगों ने फर्जी तौर पर तैयार किया। इसके साथ-साथ गांव के सतपाल नाई के घर से लेकर मोमनराम के घर तक सीसी रोड के निर्माण की स्वीकति चार जनवरी 2023 को तैयार की। जब उसने 19 जनवरी 2023 को पंचायत समिति पदमपुर से इन स्वीकृत कार्य के दस्तावेजों की प्रतिलिपी चाही तो वहां लेखाकार जगदीश गाबा ने देने से मना कर दिया। मामले की जांच पदमपुर थाना प्रभारी सुरेन्द्र को दी गई है।

जमीन विवाद को लेकर बदमाशों ने फायरिंग की

खेतड़ीनगर की पहाड़ियों में आग लगी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना गावड़ी मोड़ स्थित एवीवीएनएल कार्यालय के पास जमीनी विवाद को लेकर बदमाशों द्वारा 4 राउंड फायरिंग करने का मामला सामने आया है। फायरिंग के बाद पीड़ित युवक तुरंत स्कॉर्पियो लेकर डिप्टी ऑफिस पहुंचा और पुलिस को मामले की जानकारी दी। पीड़ित ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवाया हैं।

- बदमाशों ने जमीन का एग्रीमेंट कैंसिल करवाने के लिए चार राउंड फायरिंग की
- फायरिंग के बाद पीड़ित युवक कार लेकर डिप्टी ऑफिस पहुंचा और जानकारी दी
- 'स्कॉर्पियो में गोली के खाली खोल मिले, गाड़ी के बाहर छर्रे लगे मिले हैं'

पीड़ित युवक प्रदीप सैनी ने बताया कि उसका कपिल मीना से जमीन का एग्रीमेंट हुआ था। उस जमीन का एग्रीमेंट कैंसिल करवाने के लिए कपिल मीणा के साथी कुलदीप मीणा से चार-पांच महीने पहले धमकी मिली थी। धमकी मिलने के बाद सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने उस समय कहा था कि पाबंद कर दिया गया है अब कुछ नहीं होगा। पीड़ित ने बताया कि आज वह गावड़ी बाईपास से गावड़ी मोड़ पर एक व्यक्ति को 8 लाख रुपए का चैक देने के लिए आ रहा था तभी गावड़ी मोड़ से गावड़ी की तरफ जा रही थार गाड़ी ने पहले तो टक्कर मारी, उसके बाद पीछे के शीशे पर कुलदीप मीणा ने फायरिंग कर दी। थार गाड़ी में करीब 5 से 6 बदमाश सवार थे। फायरिंग करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस फायरिंग होने की जगह पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया। घटना को लेकर एसपी प्रवीण नायक नुनावत, एएसपी गिरधारी लाल शर्मा और डीएसपी अनुज डाल ने डीएसपी ऑफिस आकर पीड़ित से मामले की जानकारी ली।

पीड़ित प्रदीप सैनी ने कपिल मीणा की जानकारी से गावड़ी बाईपास पर जमीन ली थी। जिला बनने के बाद उस जमीन के पैसे बढ़ गए। कपिल मीना ने कहा कि जमीन वापस लेंगे। इस मामले को लेकर कुलदीप मीणा ने धमकी दी थी। आज कुलदीप मीणा ने पीड़ित प्रदीप सैनी पर फायरिंग की है।

एएसपी गिरधारीलाल शर्मा ने कहा कि घटना की सूचना लेट मिली, जिस वजह से आरोपी भाग निकले। अलग-अलग टीम गठित कर नाकाबंदी करवाई गई है, आरोपियों की तलाश की जा रही। स्कॉर्पियो में गोली के खाली खोल मिले। गाड़ी के बाहर छर्रे लगे मिले हैं। पुलिस ने खाली खोल को जब्त कर लिया है।

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के गोठड़ा ग्राम पंचायत के वार्ड नं. पांच रामदेव मौहल्ला स्थित पानी की टंकी के पास सोमवार देर शाम को पहाड़ी पर अचानक आग लग गई। इस दौरान ग्रामीणों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन हवा तेज होने के कारण आग देखते ही देखते पूरी पहाड़ी पर फैलने लगी। इस दौरान ग्रामीणों की सूचना पर खेतडी नगरपालिका दमकल व केसीसी की दमकल मौके पर पहुंची, तीन घंटे की कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया गया।

समाजसेवी हरीराम गुर्जर ने बताया कि रामदेव मौहल्ला स्थित पानी की टंकी के पास पहाड़ी में शाम को आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंच कर देखा तो पहाड़ी के ऊपरी क्षेत्र पर तीन-चार जगह आग की लपटें उठ रही थी। पहाड़ी में लगी आग को देखकर केसीसी दमकल व खेतड़ी नगरपालिका दमकल को सूचित किया गया। आग पहाड़ी के ऊपरी क्षेत्र में लगने के कारण दोनों दमकल पहाड़ होने के कारण मौके तक नहीं पहुंच पाई। ग्रामीणों के सहयोग से दमकल कर्मियों ने वाटर सीओ व डाई पाउडर सिलेंडर से छिड़क कर तीन घण्टे की बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायरमैन गौतम चौधरी ने बताया कि संकरी गली व पहाड़ी एरिया होने के कारण दमकल मौका स्थल तक नहीं पहुंच पायी जिसके चलते सिलेंडरों से आग पर बुझाई गई।

कलेक्टर और एस.पी. ने देवली में 650 मीट्रिक टन अवैध बजरी का भंडारण जब्त किया

शाहपुरा कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत व एसपी राजेश कांवट ने की कार्रवाई, सूचना लीक होने से बजरी माफिया वाहन एवं जेसीबी मशीन लेकर मौके से फरार हो गये

देवली, (निसं)। निकटवर्ती हनुमान नगर थाना क्षेत्र की छोटी लुहारी गांव में सोमवार की देर रात को शाहपुरा कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए 650 मीट्रिक टन अवैध बजरी के भंडारण को जब्त किया है।

उल्लेखनीय है कि यहां हनुमान नगर थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन खुलेआम होता है। इसी की रोकथाम को लेकर शाहपुरा जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत एवं एसपी राजेश कावट ने मिलकर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के विरुद्ध संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए 650 मीट्रिक टन बजरी का भंडारण जब्त किया लेकिन कार्रवाई की सूचना लीक होने से बजरी माफिया वाहन एवं जेसीबी मशीन लेकर मौके से फरार हो गए।

जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि उन्हें सोमवार रात को सूचना मिली कि जहाजपुर उपखंड क्षेत्र के हनुमान नगर थाना क्षेत्र की लुहारी कलां ग्राम पंचायत की चरागाह भूमि पर सैकड़ों टन अवैध रूप से बजरी के दो स्टॉक स्थापित किये हुए हैं। सूचना पर कलेक्टर शेखावत, एसपी कावट तुरंत मौके पर पहुंचे। यहां दोनों अधिकारियों ने अवैध बजरी के भंडारण पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए मौके पर 650 मीट्रिक टन बजरी जब्त की। कार्रवाई के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि छोटी लुहारी कला ग्राम के चरागाह भूमि पर लगे अवैध बजरी के स्टॉक की जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं देने पर संबंधित क्षेत्र के गिरदावर एवं पटवारी की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए चार्जशीट दी जाएगी। वहीं इस कार्रवाई की सूचना लीक होने पर हनुमान नगर थाना पुलिस की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

देवली के पास हनुमान नगर थाना क्षेत्र की छोटी लुहारी में अवैध बजरी के भंडारण को जब्त किया।

ग्रामीणों का मानना है कि काफी समय से यहां पर बजरी का अवैध कारोबार पनप रहा था। ऐसे में बजरी के अवैध भंडारण के विरुद्ध सोमवार रात को हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश कांवट, उपखंड अधिकारी सुरेंद्र बी पाटीदार, तहसीलदार, इत्यादि प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

- अवैध बजरी के स्टॉक की जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं देने पर संबंधित गिरदावर एवं पटवारी की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए चार्ज शीट दी जाएगी

शाहपुरा पुलिस अधीक्षक राजेश कांवट ने कार्रवाई की सूचना लीक होने पर कहा कि माफियाओं के सूचना तंत्र के लोग जगह-जगह पर बैठे रहते हैं। माफिया तंत्र दिन रात पल पल पुलिस की निगरानी करते हैं। अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पूरे जिले में पुलिस गस्त का पेटर्न चेंज किया गया है। ऐसे हालात पर अब जिले में पुलिस की 15 गाड़ियां गश्त करेंगी।

मदारी का 'जमूरा' बनाने के लिए बच्चों का अपहरण करने वाली गैंग गिरफ्तार

जी.आर.पी. पुलिस ने खानाबदोश परिवार के 5 लोगों को गिरफ्तार किया

- इस गैंग ने 10 दिन पहले कोटा रेलवे स्टेशन से 4 वर्षीय बच्चे का अपहरण किया था, जबकि दूसरे बच्चे को 10 साल पहले गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन से उठाया था
- पुलिस ने आशंका जताई है कि यह बदमाश, बच्चों को दवाईयां देकर उसकी दिमागी हालत कमजोर करते हैं, फिर तमाशे के लिए उसका जानवरों की तरह इस्तेमाल करते हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजकीय रेलवे पुलिस (जी.आर.पी.) और जयपुर पुलिस की टीम ने मंगलवार को एक ऐसे खानाबदोश परिवार को धरदबोचा, जो बच्चों का अपहरण करता था। इस परिवार से पुलिस ने दो बच्चों को दस्तयाब किया है। इनमें एक बच्चा 10 दिन पहले कोटा रेलवे स्टेशन से अपहरण किया गया था। जबकि दूसरे बच्चे का 10 वर्ष पहले गंगापुरसिटी रेलवे स्टेशन से अपहरण हुआ था।

एडीजी अनिल पालीवाल ने बताया कि पूछताछ में आरोपी परिवार ने बताया कि पहले उनका मूल काम मदारी का था और जानवरों पर प्रतिबंध लगने के बाद वह बच्चों को जमूरा (करतब दिखाने) बनाकर खेल दिखाते हैं। कोटा रेलवे स्टेशन से बच्चे का अपहरण जमूरा बनाने के लिए किया था। मूलत: हरियाणा के भिवानी हाल किशनबाग झुग्गी झौपड़ी निवासी प्रेम सिंगीवाल (65) उसकी पत्नी लज्जो (55), बेटा अर्जुन (30), कर्ण (22) व मुख्य सरगना मुकेश मदारी (19) को गिरफ्तार किया।

एडीजी अनिल पालीवाल बताया कि बच्चे का अपहरण करने वाला मास्टर माइंड मुकेश मदारी है। वह परिवार के साथ किशनगढ़ (अजमेर) में एक शादी समारोह में परिवार के साथ बर्तन साफ करने के लिए गया था। वहां से 5 मई की सुबह 11 बजे अपना मोबाइल मां लज्जो को देकर चमडा घर से एक बाइक चोरी कर भाई करण के साथ शाम तक कोटा पहुंच गया। कोटा रेलवे स्टेशन पर बच्चे के पिता उसे अकेले बैठाकर टिकट लेने चले गए, तभी आरोपी बच्चे को उठाकर ले गए।

जीआरपी कोटा के वृत्ताधिकारी चांदमल के नेतृत्व में 5 टीमें बनाई गई। बच्चे की तलाश में 280 किलोमीटर क्षेत्र में 470 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तब जाकर अपहरणकर्ताओं का सुराग लगा और पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी मुकेश बच्चे को पहले भोपाल में अपने ससुराल ले गया, लेकिन ससुराल वालों ने अपहृत बच्चे को रखने से मना कर दिया, तब वह भोपाल से ट्रेन में जयपुर पहुंचा था।

एस.पी. जोशी ने बताया कि आरोपियों से 10 वर्ष पहले अपहृत बच्चे का उसके परिजन से डीएनए करवाया जाएगा। इसके बाद बच्चा उनके सुपुर्द किया जाएगा। वह बच्चा मंदबुद्धि है। आशंका है कि अपहरण करने के बाद बच्चे की दिमागी हालत कमजोर करने के लिए उसे दवाइयां दी गई है। यह भी आशंका है कि गैंग बच्चों से चोरी करवाने का काम करती है। पुलिस उनसे और पूछताछ कर रही है।

नई शिक्षा नीति को सभी विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से लागू किया जाएगा : मिश्र

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में कुलपति समन्वय समिति की बैठक को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी कौशल विकास समावेशी कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थानीय उद्योगों एवं विश्वविद्यालय सहभागिता से रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध एवं अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सभी विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से लागू किया जाए।

मिश्र मंगलवार को राजभवन में कुलपति समन्वय समिति की बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह, सामाजिक न्याय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया।

राज्यपाल ने बैठक में कहा कि विश्वविद्यालयों में बायोमेट्रिक/मोबाइल एप आधारित उपस्थिति की व्यवस्था 30 मई तक सभी विश्वविद्यालयों में तत्परता से लागू की जाएगी। चरणबद्ध रूप से यह व्यवस्था विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों में भी लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि नवगठित विश्वविद्यालयों में संपत्तियों, दायित्वों, भूमि, पेंशन तथा अन्य मुद्दों के लिए कमेटी का गठन कर कार्य किया जाएगा। इसमें संबंधित जिला कलेक्टर भी सम्मिलित होंगे ताकि नए विश्वविद्यालयों से जुड़े मुद्दों का प्रभावी समाधान समय पर हो सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक सहभागिता महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय अब प्रत्येक विश्वविद्यालय पांच-पांच ग्राम गोद लेकर उनके विकास के लिए कार्य करेंगे।

राज्यपाल ने कुलपतियों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में उच्च शिक्षा में नवाचार अपनाते हुए विद्यार्थियों में मौलिक शोध और अनुसंधान की दृष्टि विकसित करने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी यह प्रयास करें कि विश्वविद्यालयों में बहु विषयक और अंतर विषयक अनुसंधान और पठन-पाठन की दिशा में कार्य हो। हर विश्वविद्यालय में इनोवेशन सेंटर, इन्क्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए भी निरंतर कार्य हो।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक घरानों से विचार विमर्श कर कौशल विकास हेतु विश्वविद्यालय विशेष रूप से कार्य करें। बैठक में जिन विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा उपकरण नहीं लगे हैं, वहां 30 जून तक कार्यवाही किए जाने के भी राज्यपाल ने निर्देश दिए।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हृदयांश को 17.50 करोड़ का इंजेक्शन लगाया

अमेरिका से जयपुर के जे.के. लोन हॉस्पिटल लाया गया इंजेक्शन

- जन्म के 6 महीने बाद से ही हृदयांश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) बीमारी से पीड़ित था
- इंजेक्शन लगने के बाद बच्चे को 24 घंटे के लिये डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया, वहीं दो महीने तक उसकी दूसरी दवाईयां चलेगी।
- पुलिस महानिदेशक यू आर साहू और भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने इंजेक्शन के लिए राशि जुटाने में पूरे पुलिस परिवार से सहयोग की अपील की थी।

जयपुर। राजधानी के जेके लोन हॉस्पिटल में मंगलवार को 23 महीने के हृदयांश को अमेरिका से मंगवाया गया साढ़े सत्रह करोड़ रुपए का जोल गेनेस्मा इंजेक्शन लगाया गया। अस्पताल में रेयर डिजीज यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर प्रियांशु माथुर और उनकी टीम ने यह इंजेक्शन लगाया।

हृदयांश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए इंजेक्शन की जरूरत थी। परिवार क्राउड फंडिंग के जरिए पैसे जुटाने में लगा था। डॉ प्रियांशु माथुर ने बताया कि इंजेक्शन लगने के बाद बच्चा 24 घंटे डॉक्टर्स की निगरानी में रहेगा। इसके बाद दो महीने तक बच्चे के दवाईयां चलेगी। फिर वह आम लोगों की तरह जीवन यापन कर सकेगा। इंजेक्शन दोपहर दो बजे तक लगाया जाना था। लेकिन पेपर वर्क कंप्लीट होने में समय लगा। जिसकी वजह से शाम करीब छह बजे यह इंजेक्शन बच्चे को लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इंजेक्शन के जरिए बच्चे को साठ मिनट में दवा दी गई। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में यह दवा अब तक 35 सौ बच्चों को दी जा चुकी है और इसके बाद वे स्वस्थ्य हो गए। इस बीमारी से 99.5 प्रतिशत बच्चे बच चुके है। प्रारम्भिक तौर पर इस दवा का असर सात से दस दिन में होना शुरू हो जाता है।

दरअसल, हृदयांश का परिवार अलवर के मसारी का रहने वाला है। हृदयांश के पिता नरेश शर्मा मनिया (धौलपुर) पुलिस थाने में एसचओ हैं। हृदयांश के माता-पिता नरेश शर्मा और शमा की शादी 7 साल पहले हुई थी। बेटी शुभी (6) के बाद हृदयांश के जन्म से पूरे परिवार में खुशी थी। सिजेरियन डिलीवरी से हृदयांश का जन्म हुआ था। जन्म के समय हृदयांश को किसी तरह की परेशानी नहीं थी। 6 महीने तक वह अपनी बॉडी का अच्छा मूवमेंट करता था। 6 महीने बाद जब परिवार के लोगों ने किसी सहारे से खड़ा करने की कोशिश की तो वह खड़ा नहीं हो पाया था। इसके बाद बीमारी का पता चला था। उसके माता पिता जयपुर में रहकर इलाज करवा रहे थे।

सहयोग के लिये आभार जताया

इंजेक्शन लगाने के बाद डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया कि इस बीमारी के कारण मसल्स में कमजोरी आने लगती है। बच्चे को चलने-फिरने में परेशानी होती है। सांस रुकने की भी संभावना रहती है। पहले भी दो बच्चों को थैरेपी दे चुके हैं। अब बच्चे को 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखेंगे।

बच्चे के नाना नरेश कुंबज ने इस मुहिम में सभी का सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने भी बेटा समझकर हृदयांश की मदद की। उन्होंने कहा कि अब बच्चे के स्वस्थ होने की दुआ करें।

हृदयांश के चाचा स्वप्निल ने बताया कि इंजेक्शन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी ने भी हृदयांश के इलाज में काफी मदद की है। उन्होंने इंजेक्शन की 17.5 करोड़ रुपए की राशि को चार किश्तों में जमा कराने की छूट दी है। अब तक क्राउड फंडिंग से जमा हुए 9 करोड़ रुपए से इंजेक्शन की पहली किश्त जमा करा दी है। बाकी राशि को तीन किश्तों में एक साल में जमा कराया जाएगा। पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने इंजेक्शन के लिए राशि जुटाने में पूरे पुलिस परिवार से सहयोग की अपील की थी। वहीं भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने भी राशि जुटाने के लिए पूरे प्रयास किए।

सांसद-विधायक भी आगे आए

भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने पूरे मामले को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को आर्थिक सहायता देने के लिए पत्र लिखा था। वहीं, राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इंजेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए कहा था। बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अपने विधायक कोष से हृदयांश के परिजनों को 21 लाख रुपए देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा था।

क्रिकेटर सरफराज व चाहर जुड़े थे मुहिम से

इस बीमारी की वजह से हृदयांश घुटनों के बल चल भी नहीं पा रहा था। परिवार को पता चला कि 17.50 करोड़ के इंजेक्शन से बेटे का इलाज हो सकता है, लेकिन इतने पैसे नहीं थे। इंजेक्शन खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर मुहिम चलाई गई। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज खान ने भी हृदयांश की जान बचाने के लिए अपील की थी। दीपक ने वीडियो जारी कर कहा था कि राजस्थान पुलिस के इंस्पेक्टर नरेश शर्मा के बेटे हृदयांश को गंभीर बीमारी है। यह बीमारी दुर्लभ है। इसके इलाज का खर्च भी काफी महंगा है। मुझसे जितनी मदद हो सकेगी, मैं करूंगा।

सरफराज ने कहा था कि राजस्थान पुलिस में कार्यरत इंस्पेक्टर के बेटे की तबीयत काफी खराब है। उसके इलाज के लिए करोड़ों की कीमत के इंजेक्शन की जरूरत है। सरफराज ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा डोनेशन देने की अपील की थी।

'वर्दी में वीडियो अपलोड करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई'

जयपुर। प्रदेश में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वर्दी में गैर पुलिसिंग मुद्दों पर वीडियो, रील या स्टोरी आदि अपलोड करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस संबंध में राजस्थान पुलिस के मुखिया यू आर साहू द्वारा मंगलवार को सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

पुलिस महानिदेशक साहू ने बताया कि पुलिसकर्मियों द्वारा वर्दी में स्वयं के वीडियो, रील और स्टोरी जिनका पुलिस कार्य से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं होता है, उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट या अपलोड करना पुलिस नियमों के खिलाफ है।

फर्जी एन.ओ.सी. से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच के लिए एस.आई.टी.गठित

सरकार के आदेश पर बनाई 8 सदस्यों की टीम, जयपुर पुलिस कमिश्नर करेंगे मॉनिटरिंग

जयपुर। फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी गठन करने के आदेश दिए थे। इस पर जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने एसआईटी का गठन कर दिया है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में दर्ज तीनों एफआईआर की जांच एसआईटी करेगी। एसआईटी में 8 पुलिस अधिकारी और कांस्टेबल को शामिल किया गया है। एसआईटी की जांच की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में हर दिन नई जानकारी टीम के पास आ रही है। इस पर पुलिस टीम के द्वारा काम किया जा रहा है। इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया गया है, जिसमें जिम्मेदार पुलिस अधिकारी रहेंगे, जो पहले दिन से इस केस पर काम भी कर रहे हैं।

एसआईटी में एसीपी गांधी नगर गोपाल सिंह ढाका और एसीपी पुलिस लाइन हेमराज मूंड, 2 पुलिस निरीक्षक हवा सिंह मंगावा और भवानी सिंह, 2 एएसआई मूल सिंह और धर्मेंद्र कुमार के साथ-साथ 2 कांस्टेबल चैन सिंह और सुभाष चंद्र रहेंगे। इस केस की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे।

उधर, ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में गिरफ्तार फोर्टिस हॉस्पिटल के दो डॉक्टर जितेन्द्र गोस्वामी और संदीप गुप्ता को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को 15 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा था। गिरफ्तार डॉक्टर जितेंद्र गोस्वामी से हुई पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि जितेंद्र गोस्वामी एसएमएस अस्पताल के एएओ गौरव सिंह से डायरेक्ट संपर्क में था। जब तक वह मणिपाल हॉस्पिटल में रहा, उसने वहां पर कई ट्रांसप्लांट किए थे। आरोपी ने जब फोर्टिस अस्पताल जॉइन किया तो भी गौरव के संपर्क में रहा और हॉस्पिटल के कई स्टाफ को अपने साथ मिला चुका था। जानकार सूत्रों की माने तो पुलिस जल्द ही फोर्टिस, ईएचसीसी और मणिपाल हॉस्पिटल प्रशासन को पूछताछ के लिए बुला सकता है।

स्वेच्छा से अनुपस्थित चल रहे कार्मिकों पर होगी कार्रवाई

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में स्वेच्छा से अनुपस्थित चल रहे कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बिना सूचना के लम्बे समय से अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुये ऐसे कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये हैं। सिंह के निर्देशों के बाद निदेशक राकेश कुमार शर्मा ने समस्त राजकीय मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रकों, समस्त अधीक्षकों, संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, प्रमुख चिकित्साधिकारियों सहित सभी नियंत्रण अधिकारियों को पत्र लिखकर ऐसे कार्मिकों की सूचना मांगी है।

वी.के.आई. में पशु आहार फैक्ट्री में आग

जयपुर । विश्वकर्मा थाना इलाके में मंगलवार सुबह एक पशु आहार की फैक्ट्री में आग लग गई। आग की सूचना पर आधा दर्जन से अधिक दमकल मौके पर पहुंची और करीब तीन घंटे में आग पर काबू पाया। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। वीकेआई थाना पुलिस ने बताया कि वीकेआई रोड नंबर 8 के पास प्रेम मोटर्स के नजदीक स्थित पशु आहार की फैक्ट्री में आग लग गई।

पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराने में संबंधित विभाग फेसिलिलेटर की भूमिका निभाएं : पंत

- माइंस विभाग द्वारा राज्य स्तर पर कोऑर्डिनेशन की दो अधिकारियों को जिम्मेदारी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा है कि जिला स्तरीय समिति से पर्यावरण स्वीकृतियां प्राप्त खानधारकों को राज्य स्तरीय समिति सीया से पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराने में संबंधित विभागों को फेसिलिलेटर की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने माइंस, पर्यावरण, राज्य स्तरीय एंवायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी, डिया से पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त खान व क्वारी लाइसेंस धारकों से परस्पर सहयोग व समन्वय से तय समय सीमा में पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराने की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने को कहा है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत मंगलवार को सचिवालय में माइंस, पर्यावरण, सीया और सेक के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समिति से पर्यावरण स्वीकृतियां प्राप्त करीब 24 हजार 5 हैक्टेयर तक की लीज व क्वारी लाइसेंस वाली खानों के आवश्यक दस्तावेज परिवेश पोर्टल पर अपलोड़ कर दिए गए है। सीया द्वारा करीब 12 हजार आवेदनों की स्क्रूटनिंग का काम भी कर लिया गया है। अब शेष रहे आवेदनों की स्क्रूटनिंग के काम में तेजी लाने के साथ ही स्क्रूटनिंग हो चुके आवेदनों के खान धारकों द्वारा फार्म दो का परिवेश पोर्टल पर अपलोड किया जाना है। स्क्रूटनिंग वाली खानों के खानधारक स्वयं या माइंस विभाग के अधिकारियों से समन्वय बनाते हुए अविलंब फार्म 2 अपलोड़ करें ताकि राज्य स्तरीय अथॉरिटी द्वारा पर्यावरण स्वीकृतियां जारी हो सके। उन्होंने छोटी मोटी कमियों को पूरा कराने के लिए अनावश्यक पत्राचार के स्थान पर औपचारिकताओं को सीधे संबंधित से पूरी कराने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

मुख्य सचिव पंत ने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा डिस्ट्रक्ट लेवल एन्वायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी द्वारा जारी पर्यावरण स्वीकृति वाले खानधारकों को राज्य स्तरीय एन्वायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी से एक साल में पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिये गये थे। एनजीटी के आदेशों के अनुसार जिला स्तर से पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त इन खान धारकों को राज्य स्तरीय समिति से पर्यावरण स्वीकृति लिया जाना जरुरी है। उन्होंने माइंस विभाग द्वारा करीब 24 हजार खानों के दस्तावेज परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर पूरी करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि माइंस प्रदेश की महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि से जुड़ा विभाग है और इससें लाखों लोग प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में माइनिंग गतिविधियां निर्बाध जारी रखने के लिए समय पर औपचारिकताएं पूरी कराकर राज्य स्तरीय पर्यावरण स्वीकृतियां जारी कराना जरुरी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव वन व पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा ने बताया कि माइंस व पर्यावरण विभाग द्वारा परस्पर सहयोग से प्राथमिकता से स्क्रूटनिंग कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीया द्वारा 12 हजार आवेदनों को वेलिडेटेड कर लिया गया है और संबंधित खान धारकों को परिवेश पोर्टल पर फार्म 2 अपलोड करने को कहा गया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विभाग द्वारा सहयोगी की भूमिका निभाते हुए वेलिडेशन का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

सार-समाचार

प्रभाशंकर उपाध्याय का सम्मान किया

जयपुर/सवाईमाधोपुर। सृजन साहित्य सेवा संस्थान तथा नोजगे पब्लिक स्कूल श्रीगंगानगर के तत्वावधान में आयोजित सृजन सम्मान समारोह में सवाईमाधोपुर के वरिष्ठ व्यंग्यकार प्रभाशंकर उपाध्याय को रविवार को माता नामदेवी व्यंग्य सृजन सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अन्य विविध विधाओं के लिए अनेक मूर्धन्य साहित्यकारों को भी सम्मानित किया। इन सम्मानों के लिए चार सदस्यीय निर्णायक समिति ने अपने विवेक, अध्ययन और अनुभव के आधार पर साहित्यकारों का चयन करती है। समारोह में मंचाधीश अतिथियों ने प्रभाशंकर उपाध्याय को सम्मान स्वरूप ग्यारह हजार रूपये का चैक, मान-पत्र, शाल आदि प्रदान दिए आदि प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि प्रभाशंकर उपाध्याय के चार व्यंग्य संकलन, एक उपन्यास बहेलिया और डायरी लेखन की तर्ज पर 'यादों के दरीचे' नामक संस्मरणात्मक पुस्तक है।

रमेश सैनी को स्टेट अचीवमेंट अवॉर्ड

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग दिल्ली शाखा राजस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएनएआई) की ओर से अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर बिरला ऑडिटोरियम में जनाना हॉस्पिटल ओपीडी प्रभारी रमेश सैनी को राज्य स्तरीय "स्टेट अचीवमेंट अवार्ड 2024" से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान टीएनएआई के नेशनल प्रेसीडेंट डॉ. रॉय के.जॉर्ज, स्टेट चेयरमैन व वाइस प्रेसीडेंट डॉ.जोगेंद्र शर्मा एवं राजस्थान नर्सिंग कौंसिल की रजिस्ट्रार सुश्री भारती ने प्रदान किया। सैनी गत 28 वर्षों से नर्सिंग सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं, सैनी को यह सम्मान नर्सिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं कोरोना जैसी महामारी में मरीजों की सेवा करने, कोविड टीकाकरण अभियान और नर्सिंग क्षेत्रा में अच्छा मैनेजमेंट किये जाने पर दिया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज से डॉ.जगदीप सैनी, एसएमएस से हेमराज गुप्ता, राजकुमार राजपाल, मानसिक हॉस्पिटल से रविन्द्र सैनी एवं गणगौरी हॉस्पिटल ओमप्रकाश को भी सम्मानित किया गया।

नि:शुल्क समर कैंप का आगाज

जयपुर । सीकर रोड स्थित मनीष पब्लिक स्कूल जोड़ला पर ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क समर कैंप का शुभारंभ हरिओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल, जयपुर ग्रेटर नगर निगम के चेयरमैन नरेंद्र सिंह शेखावत और समाजसेवी संजय मेठी ने सरस्वती माता के दीप प्रज्ज्वलित करके किया। पंकज गोयल ने बताया कि बच्चों को गर्मियो की छुट्टियों में समर कैंप में जरूर जाना चाहिए इससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास होता है । संस्था की डायरेक्टर प्रिया सिन्हा ने बताया कि जयपुर में 11 स्थानों पर नि:शुल्क समर वेकेशन कैंप लगाए जा रहे हैं। शिविर में सिलाई, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, ब्यूटीशियन कोर्स ,डांस, हैंडराइटिंग, इंग्लिश स्पोकन, सेल्फ डिफेंस आदि का प्रशिक्षित अध्यापकों के द्वारा निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में महावीर सिंह निठारवाल डायरेक्टर मनीष पब्लिक स्कूल, डायरेक्टर प्रिया सिन्हा, उपाध्यक्ष राज शर्मा, कोषाध्यक्ष मीरा गोयल, उपासना चौहान, राजकुमार अग्रवाल, सुनील चौधरी, वंशिका चौहान, चंचल गोयल, सुमन सैनी, रेहान, एकता कंवर व सैकड़ों विद्यार्थी व अभिभावक मौजूद रहे।

दो रेस्टोरेंट्स पर खाद्य टीम की छापेमारी

जयपुर । मिलावट को रोकने के लिए शुरू किए गए विशेष अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को जयपुर में अजमेर रोड स्थित दो प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. हंसराज भदालिया ने बताया कि अजमेर रोड स्थित मैसर्स पिंक पर्ल (चोखा पंजाब) में निरीक्षण कर कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान फूड लाइसेंस डिसप्ले नहीं होना पाया गया। हाईजीन, सेनिटेशन की स्थिति अच्छी नहीं होने के साथ ही यहां कार्यरत वर्कर्स का मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं था। साथ ही यहां वाटर टेस्टिंग और पेस्ट कंट्रोल रिपोर्ट भी नहीं पाई गई। इन सभी कमियों को देखते हुए फूड सिक्योरिटी एक्ट 2006 की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया तथा मौके से पनीर, गुलाब जामुन, दही, सोयाबीन तेल और ग्रेवी के नमूने जाँच के लिए गए। इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी और नंद किशोर कुमावत शामिल रहे। इसी प्रकार अजमेर रोड, 200 फ़ीट स्थित होटल हाईवे किंग निरीक्षण कर कार्रवाई की गई।

शिविर में 112 रोगी हुए लाभान्वित

अजमेर, (कासं)। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित कैंप मंगलवार को अस्पताल परिसर में लगाया गया। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में वरिष्ठ डॉक्टर आर के चंडक ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 112 मरीजों को सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया।

आज के कैम्प के लाभार्थी जैन ब्राह्मी महिला समिति अजमेर, अध्यक्ष नोरत बाई सिंगी, उपाध्यक्ष सुशीला पोखरणा, मंत्री प्रमिला मेहता,मीना सोनी, मोहन बाई लोढ़ा, शशि नौलखा, आभा लूणावत, निकिता नाहर ने सेवाये प्रदान की।

शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों को मृगी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाते हुए इसके नियमित रूप से करने पर जोर दिया।

संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधि की जानकारी दी, अध्यक्ष घेवरचंद श्रीमाल ने लाभार्थी संस्था का स्वागत,कोषाध्यक्ष पारस बाबेल ने आभार व्यक्त किया। शिविर में मदनलाल लोढ़ा, के डी मिश्रा, मदन लाल रांका, अतुल पाडलेचा, सुरेश लोढ़ा, सुशील चौधरी, दिनेश जोशी, अनिता रांका, पूजा कोठारी, सुनीता कावड़िया, मीना नाहटा, शशि चपलोत, चंदू चपलोत सहित गणमान्य व्यक्तियो ने सेवाएं प्रदान की।

अजमेर के नर्सिंग कॉलेज संचालन में गड़बड़ी, सीएमएचओ ने सीज किया

अजमेर, (कासं)। अंधेरी गलियो मे राजस्थान नर्सिंग कॉलेज , जी यह सच भी है क्योकि जिस कॉलेज का पता तबीजी का हो और आप वहां जाए और आपको वहां कॉलेज नही मिले और इतना ही नही उसका रजिस्टेशन कायड को ओर वहां भी कॉलेज नही मिले और यह कॉलेज आपको सराधना संचालित होते हुए मिल जाए तो आप इसे क्या समझेगे !

- **पता तबीजी का हो उसका रजिस्टेशन कायड में और वहां भी कॉलेज नही मिले और यह कॉलेज सराधना में संचालित**

इस मामले मे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत मिली की शहर मे एक ऐसा कॉलेज संचालित हो रहा है, जिसका पता कही ओर है तो रजिस्ट्रेशन कही ओर है और चल कही ओर रहा है।

सीएमएचओ डॉ ज्योत्सना रंगा ने तुरंत प्रभाव से मौके पर पहुंची और जांच के दौरान जब दस्तावेज मांगे तो राजस्थान नर्सिंग कॉलेज प्रशासन ने दस्तावेज उपलब्ध नही होने की बात कहते हुए मना कर दिया।

सराधना में संचालित कॉलेज को सीज किया।

सीएमएचओ डॉ ज्योत्सना रंगा ने तुरंत प्रभाव से इस मामले मे एक्शन लेते हुए इसका कॉलेज का सीज करवा दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर द्वारा राजस्थान नर्सिंग कॉलेज अजमेर जो कि गांव सराधना मे संचालित हो रहा था, (जबकि विभागीय दस्तावेज के अनुसार इस संस्थान को एमडीएस युर्निवसिटी मार्ग जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर के पीछे आदित्य भवन कायड मे संचालित होने की अनुमति प्राप्त है)

कॉलेज मे दो क्लास रूम- निरीक्षण करने पर पाया गया कि गांव सराधना मे जिस भवन मे उक्त नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहा है, वह भवन राजस्थान नर्सिंग कॉलेज के मापदंड अनुसार निर्मित नही है। कॉलेज मे दो क्लास रूम है, जिनमे जीएनएम की कक्षाएं संचालित हो रही है। संस्था के प्रिसिंपल से उक्त स्थान पर संचालित हो रही कॉलेज के दस्तावेज मांगे तो उन्होने उपलब्ध नही करवाए। उन्होने बताया कि संबंधित दस्तावेज सिविल लाइंस थाने मे जब्त है। जब उनसे दस्तावेजो की फोटो प्रति मांगी गई तो वह भी उपलब्ध नही करवाई गई।

कॉलेज अध्ययन कर रहे जीएनएम प्रशिक्षणर्थियों संबंध में सूचना एवं रिकॉर्ड मांगा कि कितने विद्याथी कॉलेज मे अध्ययनरत्त है ओर उनका पूर्ण विवरण तथा उपस्थिति रजिस्टर व एडमिशन दस्तावेज आदि भी उपलब्ध नही करावे गए। कॉलेज स्टॉफ का हाजरी रजिस्टर भी उपलब्ध नही पाया गया।

निम्बार्क वल्लभ भगवान का 31 वां पाटोत्सव मनाया

अजमेर, (कासं)। श्री निम्बार्क गोपिजनवल्लभ भगवान का 31 वां पाटोत्सव मनाया गया।

श्री सर्वेश्वर संकीर्तन मंडल प्रवक्ता आनन्द भंसाली ने बताया कि आज प्रात: 7 बजे शहनाई एवं नगाड़ो की मधुर ध्वनि के बीच श्री निम्बार्क गोपी जनवल्लभ भगवान का दूध, दही केसर ,चंदन, शहद, पंचामृत से पंडित रविशंकर जी दाधीच द्वारा अभिषेक किया गया, तत्पचात गोपाल जी पंडित द्वारा ध्वज पूजन कराया गया जिसमें आनन्द भंसाली,चेतन मालू, नीरज ईनाणी,सूरज त्रिपाठी, मनीष अठावाल कैलाश मालू, मोहित अठावाल सहित कई भक्तो ने पूजन किया, दोपहर 12 बजे राजभोग आरती की गई।

सांयकाल 6 बजे ठाकुर जी के फूलबंगला दर्शन हुवें। रात्रि में नृसिंह मंदिर महंत श्री श्यामसुंदरशरण जी एवं श्रीवृंदावनधाम से पधारें संत महात्माओं के सानिध्य में भजन संध्या 'एक शाम श्री निम्बार्कगोपिजन वल्लभ के नाम' का आयोजन किया गया जिसमें भक्तप्रवर गिरिराज अठावाल एवं श्री सर्वेश्वर मंडल सदस्यों ने भजन प्रस्तुत किये। अंत मे प्रसाद वितरण किया गया।

सार-समाचार

पक्षियों के लिए जरूर बांधे परिंडा

भीलवाड़ा, (निसं)। गर्मियों में जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, पक्षियों के लिए दाना-पानी ढूंढ पाना भी उतना ही मुश्किल होता है। ऐसे में कई बेजुबान पक्षी दाना-पानी नहीं मिलने की वजह से अपनी जिंदगी भी नहीं बचा पाते। पक्षियों का जीवन बचाने के लिए सभी कॉलोनीवासी परिण्डा जरूर बांधे ताकि गर्मियों में पक्षियों को दाना-पानी मिल सके। यह बात पीपुल फॉर एनीमल्स संस्था के परिण्डा वितरण अभियान के तहत आज कुमुद विहार कॉलोनी में पक्षियों को दाना-पानी के लिए परिण्डा लगाकर एवं परिण्डे वितरित करते हुए विधायक अशोक कोठारी ने व्यक्त किये। पीएफए प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने इस अवसर पर कहा कि पक्षियों के दाना-पानी के लिए उपयोग में आने वाले परिण्डे को समय-समय पर साफ करते रहें ताकि इनमें गंदगी जमा न हो एवं पानी निरंतर बदलते रहे। विधायक कोठारी ने प्रकाश छाबड़ा, सुरेश माहेश्वरी, संदीप तोतला, शारदा माहेश्वरी, ललिता गुगलिया, सुशीला जाजू, मोहिता जैन, नीरू अजमेरा, अनिता डांगी, प्रीति लोहिया, पूजा बजाज, गीता गट्यायाणी, मोनिका जैन, रेखा तोतला, प्रिशिता जाजू, मोनिका गर्ग, रेणु बगड़ा, महिमा पाटनी, प्रीति त्रिवेदी, सपना करवा, आयुषी डांगी को परिण्डों का वितरण किया।

प्रवेश हेतु आवेदन

ब्यावर, (निसं)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सत्र 2024-25 के प्रवेश प्रारम्भ हो गए है। राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परीषद के अन्तर्गत अभियांत्रिकी एवं गैर अभियांत्रिकी व्यवसायों में नियमित योजना के तहत ऑन लाइन प्रवेश के लिए आवेदन आंमत्रित किए गए है। प्रवेश के इच्छुक अभ्यार्थी ऑन लाइन आवेदन फॉर्म राजस्थान सरकार के एकीकृत पोर्टल के माध्यम से भर सकेगें। प्रवेश के लिए अभ्यार्थी की आयु 01.09.2024 को 14 वर्ष या 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिये योग्यता 10वी कक्षा उतीर्ण होनी चाहिये। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में महिलाओं से प्रशिक्षण शुल्क नही लिया जाएगा। ऑन लाइन आवेदन फार्म भरने, आवेदन/प्रोसेस शुल्क ई-मित्र के माध्यम से जमा कराने की अतिंम तिथि 10.07.2024 दी गई है। आई.टी.आई. में इलेक्ट्रीशियन (नियमित)40 सीट, फिटर (नियमित)40 सीट,इलेक्ट्रोनिक्स मैकेनिक (नियमित)24 सीट,मैकेनिक डीजल (नियमित)48 सीट.कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिसटेन्ट (नियमित)48 सीट आदि व्यवसायों में प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध है।

ग्रामवासियों ने सौपा ज्ञापन

शाहपुरा, (निसं)। आमलीकलां ग्राम पंचायत में धर्माउ तालाब की आंव के सीमा ज्ञान व अतिक्रमण हटवाने को लेकर जिला कलैक्टर को ग्रामवासियों ने ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया गया की गांव के धर्माउ तालाब के दोनो पानी की आंवो पर गांव के ही कुछ व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण कर रखा है। अतिक्रमण के कारण तालाब में पानी की आवक रुकी हुई है जिस वजह से पिछले पांच से छह वर्षों से तालाब में पानी नहीं आ रहा है। पानी की कमी बनी रहती है। इस मामले को लेकर पूर्व में तहसीलदार को भी लिखित में अवगत कराया था लेकिन अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। अतिक्रमण करने वालो के हौसले बुलंद है। आव खुलाने की मांग की गई है। इस दौरान सीताराम,प्रहलाद, कमलेश,खाना,दुर्गा लाल , सोनू, राजू,प्रहलाद, शिवराज, गोविंद सहित कई ग्रामवासी मौजूद रहे।

अभ्यर्थियों की काउंसलिंग

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग) परीक्षा-2022 के तहत 9 मई 2024 को जारी विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच काउंसलिंग के माध्यम से 22 मई 2024 को निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए आयोग वेबसाइट से काउंसलिंग लेटर, ऑनलाइन आवेदन-पत्र की प्रति, विस्तृत आवेदन-पत्र व विस्तृत आवेदन पत्र हेतु ऑनलाइन शुल्क की रसीद एवं आवश्यक दिशा-निर्देश डाउनलोड कर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां (एक प्रति में) संलग्न कर मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित दिनांक व समय पर आयोग कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। काउंसलिंग के लिए पृथक से कोई बुलावा पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

सामग्री भेट कर निभाई सहभागिता

अजमेर, (कासं)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान के तत्वाधान में ह्यूमैनिटी, रिलीफ टू थे हेल्पलेस इन इंडिया परियोजना के अंतर्गत जरूरतमंद कन्या के शुभ विवाह में आशीर्वाद सहित वैवाहिक सामग्री भेंट की। ग्राम पाबुथान के निवासी जवरीलाल की सुपुत्रि पिंकी रेगर के शुभ विवाह में बर्तन, टेबल फैन, मिक्सी , प्रेस, सिलाई मशीन, एक श्रृंगार पेटी, गर्म कंबल आदि का वितरण कर मानवीय राहत प्रदान की गयी। आरएसकेएस टीम सदस्यों ने ऐसे ही जरूरतमंद कन्याओं की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में समस्त ग्रामीण सदस्यों ने इस नेक कार्य के लिए संस्था का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान संस्था प्रतिनिधि हंसराज, सरोज का पूर्ण सहयोग रहा।

अमेठी लोकसभा चुनाव की जिम्मेदारी

अजमेर, (कासं)। 20 मई को होने वाले अमेठी लोकसभा चुनाव में अमेठी लोकसभा क्षेत्र के सीनियर ओब्जरवर व राजस्थान के पूर्व मुख्यमन्त्री अशोक गहलोत व अमेठी लोकसभा क्षेत्र के लोकसभा कोर्डिनेटर आर टी डी सी के पूर्व चेयर मेन धर्मेंद्र राठौड़ (पूर्व राज्य मंत्री) ने अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव पार्षद नौरत गुजर, अजमेर उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल व अजमेर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट सम्राट ऊँटडा को ब्लॉक

अवैध शराब सहित दो गिरफ्तार, वाहन जब्त

शराब तस्कर कार को नाकाबन्दी तोड़कर जवाजा कस्बे की तरफ ले गये

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार व वृताधिकारी के सुपरविजन में थानाधिकारी जवाजा हरिराम उप मय टीम द्वारा अवैध शराब तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए कार से आठ पेटी अवैध शराब जब्त कर परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को अवैध शराब तस्करी की सूचना पर थाने के सामने नाकाबन्दी कर ब्यावर से जवाजा की तरफ आती कार को रूकवाने का प्रयास किया गया। शराब तस्कर अपनी कार को पुलिस नाकाबन्दी तोड़कर जवाजा कस्बे की तरफ भगाकर ले गये। कार तेज गति में होने से अनियंत्रित हो गई और डिवाईडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो जाने पर कार से एक व्यक्ति भागने लगा और निर्माणाधीन पुलिया से नीचे कूद गया लेकिन पुलिस टीम द्वारा पीछा करके पकड़ लिया गया। पुलिया से कूदने पर उसके शरीर पर चोटें आयी, कार की तलाशी में आठ पेटी शराब मिली। अवैध शराब तस्करी में प्रयुक्त कार आई-20, आठ पेटी अवैध शराब को जब्त किया एवं दो अवैध शराब तस्करों को गिरफतार किया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में काली घाटी कूकडा निवासी रितेश सिह पुत्र भगवान सिंह रावत और राजेन्द्र सिह पुत्र नारायण सिंह रावत जस्सूजी का खेड़ा कूकडा निवासी राजेन्द्र सिंह पुत्र नारायण सिंह रावत है। जवाजा थानाधिकारी हरिराम की पुलिस टीम में हैड कानि. मोहन लाल, कानि. विजय, रविन्द्र, प्रहलाद, रामनाथ आदि थे।

डीजीपी डिस्क अवार्ड से सम्मानित

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत को पुलिस महानिरीक्षक, उदयपुर रेंज अजयपाल लांबा ने डीजीपी डिस्क अवार्ड से सम्मानित किया है। साथ ही रेंज आईजी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में अपराध समीक्षा बैठक भी ली, जिसमें जिले के पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये।

आईजी लांबा ने बैठक में जिले के अपराधों की समीक्षा करते हुये लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा पुलिस अच्छा काम करें, ताकि अपराधियों में भय और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम रहे। उन्होंने कहा कि पुलिस थानों में आने वाले परिवादियों की सुनवाई कर उन्हें राहत प्रदान करें। अपराधों की रोकथाम के लिए गश्त व्यवस्था को मजबूत करने के भी उन्होंने निर्देश दिये।

किशनगढ़ जैन दिग्दर्शिका का नि:शुल्क वितरण

किशनगढ़-मदनगंज, (निसं)। ज्ञानोदय नवयुवक मंडल की और से प्रकाशित जैन दिग्दर्शिका 2024 नि:शुल्क वितरण की गई। आचार्य धर्मसागर विद्यालय में आयोजित समारोह के दौरान जैन समाज के पदाधिकारियों नें दिग्दर्शिका को उपयोगी व बेहतर बनाने के लिए युवा टीम की सराहना की। संपादक गौरव पाटनी ने बताया कि इस बार जैन समाज की धरोहर दिग्दर्शिका को ऐतिहासिक व बहुउपयोगी बनाने के लिए समाज बंधुओं से व्यापक चर्चा कर हरसंभव सामग्री का समायोजन किया गया। इसमें दिगंबर जैन समाज के एक हजार एक परिवारों का सम्पूर्ण विवरण के साथ अविवाहित युवक युवतियों के बारे जानकारी दी गई है। जैन संस्थाओं के पदाधिकारियो के अलावा नवयुवक मंडल व महिला मंडल अध्यक्ष, मंत्री सहित सभी स्थानीय जैन मंदिरों के फोटो उपलब्ध कराये है। चिकित्सा सेवाओं के साथ रेल्वे व एयरपोर्ट की समयसारिणी को शामिल किया है। दिग्दर्शिका को बेहतरीन बनाने के लिए प्रमुख समाजसेवी राकेश पहाड़िया, संजय पापड़ीवाल व हेमंत छाबड़ा ने सहयोग किया।

ज्ञानोदय नवयुवक मंडल की और से प्रकाशित जैन दिग्दर्शिका 2024 नि:शुल्क वितरण की गई।

मां और दो बेटों की एक साथ अर्थी उठी, लोगों की आंखें नम हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। गुजरात के नवसारी में पिकनिक मनाने के दौरान समुंद्र में डूबने से एक ही परिवार के सदस्यों की हुई मौत के बादलाछुड़ा ग्राम में मंगलवार को मां और दो बेटों की एक साथ अर्थी उठी तो कई लोगों की आंखें नम हो गई। इस बीच दोनों भाइयों को एक ही चिता में मुखाग्नि दी गई। उनके पास ही मां की भी चिता लगाई गई तो वहीं भांजी के शव का पास ही के गांव दूदिया में अंतिम संस्कार किया गया।

- **भांजी के शव का पास ही के गांव दूदिया में अंतिम संस्कार किया गया**
- **गुजरात के नवसारी में पिकनिक मनाने के दौरान समुंद्र में डूबने से हुई थी मौत**

जानकारी के अनुसार आसींद थाना क्षेत्र के लाछुड़ा गांव के रहने वाले गोपाल सिंह का परिवार गुजरात के नवसारी जिले में समुद्र की लहर में रविवार को समा गया था। इसमें गोपाल सिंह की पत्नी, दोनों बेटे व भांजी की मौत हो गई थी। चारों के शवों को मंगलवार को लाछुड़ा लाया गया, तब हर किसी की आंखें नम हो गई। कुछ देर शवों को इनके पैतृक घर पर रखने के बाद उनकी अन्तिम यात्रा शुरू हुई। तीनों के शव ट्रॅक्टर-ट्रॉली से मोक्षधाम ले जाये गये। इस दौरान ग्रामीणों की आंखें नम हो गई और लोगों ने उन्हें अन्तिम विदाई दी। मोक्षधाम में दोनों भाई युवराज व दक्ष की एक ही चिता पर व मां सुशीला का अलग चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। भांजी दुर्गा का अंतिम संस्कार 4 किलोमीटर दूर स्थित दूदिया गांव के मोक्ष धाम में किया गया। हजारों की तादाद में ग्रामीणों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उल्लेखनीय है कि गत 15 साल से गुजरात के नवसारी जिले में गोपाल सिंह राजपूत किराना की दुकान चला रहे थे। गोपाल सिंह का बड़ा बेटा उनके पैतृक गांव लाछुड़ा में दादा-दादी के साथ रहता था। गर्मी की छुट्टी में वह अपने माता-पिता के पास गया। इस दौरान गोपाल सिंह व उनकी पत्नी सुशीला अपने दोनों बेटे व भांजी दुर्गा के साथ नवसारी जिले में दांडी नदी के पास समुद्र तट पर पिकनिक मनाने गए। इस दौरान ज्वार के आने से गोपाल सिंह की पत्नी, दो बेटे व भांजी की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य को बचा लिया गया था। हादसे में एक ही परिवार के लोगों की मौत की खबर जब गांव में पहुंची तो मातम छा गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भीलवाड़ा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जल अभियांत्रिकी एवं भूजल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी को पत्र लिखकर भीलवाड़ा एवं शाहपुरा जिले में पेयजल के लिए चंबल के पानी की आपूर्ति सुचारू करने का आग्रह किया है।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने पत्र के माध्यम से ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि जिले की भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में बसी हुई निजी कॉलोनियो में पेयजल का संकट है, विगत पांच वर्षो से इन कॉलोनियो में निवासरत नागरिकों द्वारा पेयजल उपलब्ध कराने हेतु मांग की जा रही है। पूर्ववर्ती सरकार की अनदेखी एवं राजनीतिक द्वेषता के कारण आज तक इन कॉलोनियों के नागरिकों को चम्बल का पेयजल उपलब्ध नही हो पाया है। भीलवाड़ा एवं शाहपुरा जिले की लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रो में पूर्व में चम्बल पेयजल परियोजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की योजना थी जिसके तहत हर गांव में 4-5 पॉइन्ट बनाये गये उससे पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनायी गयी थी। इसके पश्चात् केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना जल जीवन मिशन अन्तर्गत "हर घर नल से जल" योजना के तहत आम जनता को पेयजल उपलब्ध कराएं।

डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट की ओर से पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मेडिकल संचालकों ने प्रदर्शन किया

डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट संस्थान की ओर से मेडिकल स्टोर बन्द रखे गये

भीलवाड़ा, (निसं)। मंगलवार को डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट संस्थान की ओर से पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मेडिकल स्टोर बन्द रखकर संचालक और कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन कुमार के नेतृत्व में मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपना कारोबार बन्द रखा और सूचना केन्द्र से रैली के रूप में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मेडिकल स्टोर संचालक शामिल हुए हैं।

- **ज्ञापन में कहा गया है कि 23 फरवरी 2024 को करेड़ा में मेडिकल संचालक से हुई लूट मामले में पुलिस ढिलाई बरत रही है। बार-बार पत्र देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है**

सचिव राकेश काबरा ने बताया कि 5 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि 23 फरवरी 2024 को करेड़ा में मेडिकल संचालक से हुई लूट मामले में पुलिस ढिलाई बरत रही है। बार-बार पत्र देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है जिससे वे अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मेडिकल संचालको की सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है। ज्ञापन में दवा विक्रेताओं ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ओटीसी दवाओं को सभी को बेचने की मौजूदा दवा कानूनों, फार्मेसी विनियमों का उल्लंघन होता है। उचित विनियमन के बिना ओटीसी दवा बिक्र की अनुमति देने से गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। प्रस्ताव में इस बात पर चिंता व्यक्त की है। खतरनाक और स्व-चिकित्सा और नशीली दवाओं का दुरुपयोग हो सकता है। बिना लाइसेंस के ओवर द काउंटर (ओटीसी) दवाओं की बिक्री की अनुमति के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को गलत बताया है। दवा दुकानों पर डॉक्टरों को जबरन झोलाछाप की श्रेणी में मानकर कार्रवाई को गलत बताते हुए पहले जानकारी करने के बाद ही कार्रवाई की मांग की है।

दवा विक्रेताओं ने डॉक्टर की लिखावट पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि डॉक्टर मरीज पर्ची में बहुत सी बार लिखावट समझने में नहीं आती है। ऐसे में गलती की संभावना बनी रहती है, ऐसी लिखावट होनी चाहिए, जो समझ में आये। केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव का दावा है कि एमसीए की गाइडलाइन के अनुसार मरीज पर्ची कैपिटल लेटर में लिखना अनिवार्य है।

इस संबंध में पूर्व में आईएमए भीलवाड़ा (डॉक्टर का संगठन) के अध्यक्ष एवं सचिव को दो बार लिखित में सूचित किया जा चुका है लेकिन इसकी पालना नहीं हो पा रही है। जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में मेडिकल संचालक उपस्थित थे।

डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट संस्थान की ओर से मेडिकल स्टोर संचालक और कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया।

गुर्जर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 16 मई को

कोटा, (निसं)। श्री देवनारायण नवयुवक मण्डल देवली अरब मानपुरा बोरखेड़ा द्वारा 16 मई को गुर्जर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन मानपुरा से देवली अरब 120 फीट रोड़ पर आयोजित किया जा रहा है।

सम्मेलन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र राठौड़ अतरालिया ने बताया कि सम्मेलन में 51 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। सम्मेलन में वर पक्ष से 31 हजार एवं समाज में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देने के लिए वधु पक्ष को नि:शुल्क शामिल किया गया है।

मुख्य अतिथि कोटा उत्तर के पूर्व विधायक गुंजल, अध्यक्षता खानपुर विधायक सुरेश गुर्जर, विशिष्ट अतिथि लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर, डॉ. बीएल गोचर, युवा नेता शिवराज गुंजल होंगे।

संयोजक रामचन्द्र गेदा एवं सह संयोजक रामगोपाल गुर्जर गौड़ ने बताया कि इस पर सम्मेलन में सहयोग देने वाले समाज के भामाशाहों का भी आयोजन समिति द्वारा सम्मान होगा।

सम्मेलन को सफल बनाने में गोपाल लाल गोचर, महेश गोचर, गोबरीलाल गोचर, गोपीचंद गुर्जर, केदार लाल गोचर, नन्दलाल कसाणा, लोकेश पोसवाल, नरेश गोचर, रामेश्वर गोचर, महेंद्र गुर्जर, भोजराज गुर्जर, विष्णु परालिया, राजेन्द्र मांगरोल समेत अन्य पदाधिकारी पिछले एक महीने से समर्पित भाव से जुटे हुए हैं।

तंत्र विद्या का झांसा देकर महिला से डेढ़ करोड़ से ज्यादा रुपये हड़पे

अजमेर, (कासं)। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को तांत्रिक ने तंत्र विद्या का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और फिर पिता की मौत का डर दिखाकर महिला से डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा हड़प लिये। आरोपी ने धर्म बदलकर शादी करने का भी दबाव भी बनाया। गृह क्लेश के चलते ढाई साल पहले तांत्रिक से मुलाकात हुई थी। पीड़िता ने क्लॉक टावर थाने में तांत्रिक के खिलाफ धोखाधड़ी कर रकम हड़पने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने कहा कि इससे पहले सम्पत्ति विवाद खत्म करने और मां के लाखों के जेवरात गिरवी रखकर तांत्रिक को रुपए दे चुकी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्लॉक टावर थाना पुलिस ने जानकारी देते बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली परिवादी पायल गुरनानी ने अपने परिजन के साथ थाने में उपस्थित होकर एक तांत्रिक के खिलाफ लिखित शिकायत देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता गुरनानी ने बताया कि करीब ढाई साल पहले तारागढ़ निवासी सैयद मसीयत हुसैन नाम तांत्रिक से मुलाकात हुई थी। तांत्रिक ने तंत्र विद्या सिखाने के नाम से मुझे बहकाया और तांत्रिक विद्या के नाम पर मुझसे समय-समय पर रकम की मांग करने लगा। मैरे द्वारा तांत्रिक मसीयत हुसैन को कभी ऑनलाइन तो कभी नगद रकम दी है। महिला ने कहा कि मेरी मां और मौसी के लॉकर में रखे जेवरात को मुथूट फाइनेंस में गिरवी रखकर तांत्रिक को रकम दी थी। तांत्रिक द्वारा तंत्र-मंत्र का सहारा लेकर गुमराह कर आज दिनांक तक करीब डेढ़-दो करोड़ रुपए की राशि ले चुका है। पुलिस ने कहा कि घरेलू समस्याओं को लेकर महिला तांत्रिक के चक्कर में आ गई थी। इन सभी बिंदुओं पर जैसे किन माध्यम से ऑनलाइन ट्राजेक्शन हुआ है, कहां से लोन उठाया है, उसके बारे में गहनता से अनुसंधान किया जाएगा, पीड़िता की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आज विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

रामगंजमंडी (निसं)। शहर में हाउसिंग बोर्ड जीएसएस के आनंद विहार फीडर पर 15 मई बुधवार को आवश्यक रखरखाव कार्य किया जायेगा।जिस कारण 11 केवी आनंद विहार फीडर की विद्युत आपूर्ति बुधवार सुबह 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी। उक्त जानकारी देते हुए चौथमल जारवाल सहायक अभियंता जयपुर डिस्कॉम रामगंजमंडी ने देते हुए बताया कि ऐसे में आनंद विहार कॉलोनी रैदास कॉलोनी द्वारका कॉलोनी श्रीजी नगर आदर्श नगर व आनंद विहार फीडर से जुड़ी समस्त कॉलोनियों की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

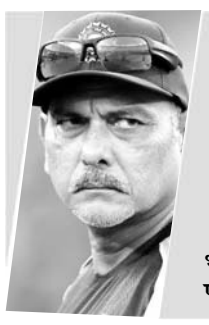

इम्पैक्ट प्लेयर नियम अच्छा है। आपको समय के साथ ढलना होगा। आप पता हैं कि ऐसा दूसरे खेलों में भी होता है। इसने आईपीएल में रोमांचक मैच कराने में योगदान दिया है। आपको समय के साथ ढलना होगा और मुझे लगता है कि यह अच्छा नियम है। **- रवि शास्त्री**

भारतीय टीम के पूर्व कोच, इम्पैक्ट प्लेयर नियम के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मनिका बत्रा

भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने महिला एकल रैंकिंग में अपने करियर की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग हासिल करते हुए 24वां स्थान हासिल किया है। नवीनतम अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई। यह पहली बार है कि कोई भारतीय महिला एकल में शीर्ष 25 में पहुंची है। विश्व रैंकिंग में मनिका की स्थिति में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है, उन्होंने अपने सऊदी स्मैश अभियान के बाद 15 स्थानों की एक लंबी छलांग लगाई। मनिका बत्रा ने एकल टेबल टेनिस में किसी भारतीय द्वारा हासिल की गई सर्वोच्च रैंक के साथियान गणानाशेखरन के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

क्या आप जानते हैं ?... 8 दिसंबर, 1981 को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच निर्धारित मैच विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

दिल्ली की जीत से राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंची

लखनऊ को 19 रन से हराया, ईशांत शर्मा को 3 विकेट, पोरेल और स्टब्स की फिफ्टी

नयी दिल्ली, 14 मई। दिल्ली कैपिटल्स ने -2024 के 64वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया। दिल्ली की जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई हो गई है। इस जीत से दिल्ली 14 पॉइंट्स टेबल के 5वें नंबर पर आ गई है। कैपिटल्स के 14 अंक हो गए हैं। वहीं, लखनऊ 12 अंक के साथ 7वें नंबर पर है। लखनऊ को अगला मैच जीतना ही होगा। अरुण जेटली स्टेडियम में लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। दिल्ली ने होमठाउंड पर 20 ओवर में 4 विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में लखनऊ 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन पर ऑलआउट हो गई। ईशांत शर्मा ने 3 विकेट झटके। अक्षर, कुलदीप, मुकेश और ट्रिस्टन स्टब्स ने एक-एक विकेट लिए। से निकोलस पूरन ने 61 रन की पारी खेली। अरशद खान ने नाबाद 58 रन बनाए।

से अभिषेक पोरेल ने 33 बॉल पर 58 रन की पारी खेली, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 बॉल पर नाबाद 57 रन स्कोर किए। शाई होप ने 38 और कप्तान ऋषभ पंत ने 33 रन बनाए। नवीन-उल-हक ने 2 विकेट झटके। अरशद खान और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में जेक फ्रेजर मक्गर्क (शून्य) का विकेट गवां दिया। अशरद खान ने जेक फ्रेजर को नवीन उल हक के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अभिषेक पोरेल और शे होप ने पारी को संभाला।

द्रविड़ के बाद लक्ष्मण कोच के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प

जस्टिन लैंगर व गौतम गंभीर भी रेस में

नई दिल्ली, 14 मई। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगर पद के लिये दोबारा आवेदन नहीं करते हैं तो राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख और भारत के पूर्व महान बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण इस पद पर उनकी जगह लेने के लिये सर्वश्रेष्ठ विकल्प हो सकते हैं।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टेस्ट और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिये अलग अलग कोच रखने की संभावना से इनकार कर दिया है लिहाजा एक ही कोच की तलाश होगी। बता दें कि, राहुल द्रविड़ का करार टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो जायेगा लेकिन उनके पास दोबारा आवेदन करने का अधिकार होगा। बीसीसीआई ने 27 मई तक आवेदन मांग हैं जबकि 26 मई को आईपीएल फाइनल है। इससे लगता है कि बोर्ड नये कोच की तलाश में है। नये कोच के लिये कुछ विकल्प इस प्रकार हो सकते हैं। अगर वीवीएस लक्ष्मण आवेदन करते हैं तो वह सर्वश्रेष्ठ विकल्प होंगे। 49 वर्ष के लक्ष्मण तीन साल से एनसीए के प्रमुख हैं और भारतीय क्रिकेटरों की अगली नस्ल को बखूबी जानते हैं। द्रविड़ के अवकाश पर होने पर उन्होंने सीनियर टीम की कोचिंग भी की है। उनके कोच रहते भारत ने एशियाई खेल, आस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला और इंग्लैंड, न्यूजीलैंड तथा आयरलैंड में सीरीज खेली है।

पिछले दस साल में शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेल चुके गंभीर को हर प्रारूप की समझ है। उनके तकनीकी कौशल को नकारा नहीं जा सकता है। केकेआर के कप्तान के तौर पर दो आईपीएल खिताब के अलावा लखनऊ सुपर जाइंट्स को पहले दोनों साल में प्लेआफ तक ले जाने का श्रेय उन्हें हासिल है। उनके कोच रहते केकेआर ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार वापसी की है और तालिका में शीर्ष पर है।अब देखना यह है कि उनके जैसा स्वाभिमानी व्यक्ति स्वयं इस पद के लिये आवेदन करता है या नहीं।

वैसे केकेआर और उसके मालिक शाहरूख खान से उनका भावनात्मक लगाव उन्हें ऐसा करने से रोक भी सकता है। इसके अलावा विराट कोहली का अगले तीन साल तक तो खेलना तय लग रहा है और ऐसे में उनके आपसी रिश्ते जगजाहिर हैं तो यह कठिन सफर हो सकता है। वैसे गंभीर और मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की अच्छी पटती है। एशेज और टी20 विश्व कप विजेता आस्ट्रेलियाई कोच लैंगर अच्छे रणनीतिकार और अनुशासन के मामले में सख्त हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि वह भारत का कोच बनने की संभावना पर विचार कर सकते हैं लेकिन यह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी दबाव वाला काम है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, नजमुल हुसैन बने कप्तान

बांग्लादेश, 14 मई। बांग्लादेश ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान नजमुल हुसैन की अगुवाई वाली टीम में पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन की वापसी हुई है। वह 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद से टीम से बाहर हैं। बांग्लादेश को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, नीदरलैंड और नेपाल के साथ रखा गया है। बांग्लादेश अपने अभियान की शुरुआत 7 जून को श्रीलंका के खिलाफ करेगा। दूसरी ओर, बांग्ला टाइगर्स 16 जून को टी20 वर्ल्ड कप के अपन अंतिम ठ्गुप स्टेज में नेपाल से भिड़ेगा। टीम मे नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्य सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीन ह्रदोय, महमुदुल्लाह रियाद, जेकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साबिक शामिल है।

टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल के लिए नहीं होगा कोई रिजर्व-डे

अमेरिका, 14 मई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के शेड्यूल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले जाने वाले टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल के लिए कोई रिजर्व डे नहीं होगा। आईसीसी और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल के लिए 250 मिनट का अतिरिक्त समय आवंटित किया है, ताकि मैच उसी समाप्त हो सके। ये बात पहले ही सामने आ गई है कि अंतिम 4 में पहुंचने पर दूसरा सेमीफाइनल भारतीय टीम खेलेगी। ऐसे में ये खबर भारतीय टीम के लिए झटका है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल 27 जून को खेला जाना है। ऐसे में रिजर्व डे पर मैच चला जाता तो दूसरा सेमीफाइनल और फाइनल 24 घंटे से भी कम के अंतर पर होता। अब जानकारी सामने आई है कि 27 जून को मैच खत्म करने योजना बनाई गई है। मैच के लिए अतिरिक्त चार घंटे आवंटित कि गए हैं ताकि टीम को लगातार दिनों में खेलना, यात्रा करना और फिर खेलना न पडे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में है। ये स्थानीय समयानुसार रात 8.30 बजे शुरू होगा। आयोजकों ने मैच के लिए एक आरक्षित दिन आवंटित किया है और यदि त्रिनिदाद में बारिश होती है, तो मैच 27 जून को खेला जाएगा।

बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी इटालियन ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में

रोम, 14 मई। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की युगल जोड़ी माटेओ अर्नाल्डी और फ्रांसेस्को पासारो की जोड़ी को हराकर इटालियन ओपन 2024 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी की क्ले कोर्ट पर यह पहली जीत दर्ज है। उन्होंने 52 मिनट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी और पासारो की जोडी को 6-2, 6-2 से हराया। अगले दौर में बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का मुकाबला सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी से होगा। बोलेली और वावसोरी ने क्रिस्टोफर यूबैंक्स और जॉन पीयर्स की जोड़ी को 82 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 7-6(4), 6-3 के स्कोर से हराकर प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंची है।

उम्मीद है भारत टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाएगा : हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, 14 मई। भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर को भरोसा है कि भारतीय महिला टीम इस साल के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली संभावित टीमों में से एक होगी। दरअसल, टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है।

वहीं हरमनप्रीत का मानना है कि परिस्थितियों से परिचित होने से भारतीय टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिलेगी। टूर्नामेंट के नौवें सत्र के लिए भारत को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, 2016 का चैंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमों के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए कहे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा, "भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद है कि ये चारों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं।" बता दें कि, भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बांग्लादेश को 5-0 से हरा दिया था।

हरमनप्रीत ने कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, "मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा (जिसका मैं सामना करने के लिए उत्सुक हूं) क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं।" भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रभुत्व को चुनौती दी है लेकिन इस टीम का वैश्विक प्रतियोगिताओं में हरमनप्रीत की टीम पर दबदबा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, "अगर हम उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलेगा और मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं।" हरमनप्रीत का मानना है कि मेजबान टीम के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की श्रृंखला में भारत की सफलता से उन्हें परिस्थितियों से अधिक परिचित होने का मौका मिला। साथ ही उन्होंने कहा, "हां, यह कुछ हद तक भारत जैसा ही है और उम्मीद है कि इन परिस्थितियों में हमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए।" भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय से कड़ी प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है और यह हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। भारत ने 2023 टी20 विश्व कप के बाद से दो बार बांग्लादेश दौरान किया है। पिछले साल जुलाई में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और वनडे श्रृंखला के लिए और फिर हाल ही में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए। विश्व कप में भारत के अब तक के अनुभव के बारे में हरमनप्रीत ने कहा, "मुझे लगता है कि सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। एकमात्र चीज यह है कि हमने कई करीबी मैच गंवाए हैं। और इस बार उम्मीद है कि हम करीबी मैच जीत सकते हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

महान बॉक्सर माइक टायसन एक बार फिर रिंग में रखेंगे कदम, यू ट्यूबर से करेंगे मुकाबला

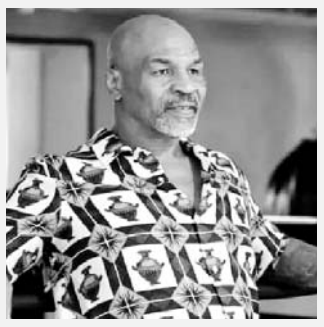

नई दिल्ली, 14 मई। बॉक्सिंग की दुनिया में माइक टायसन बहुद बड़ा नाम है। इस दिग्गज मुक्केबाज ने अपने पंच से कई मुक्केबाजों के करियर खत्म किए हैं। साल 2005 में अपना आखिरी मुकाबला खेलने वाले टायसन अब एक बार फिर रिंक में उतरने की ठान चुके हैं। टायसन एक बार फिर बॉक्सिर रिंग में उतरेंगे। टायसन का मुकाबला यूट्यबूर से मुक्केबाज बने जैक पॉल से होगा। ये मुकाबला अब से दो महीने बाद यानी 20 जुलाई को टेक्सास के एर्लिंग्टन में स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में खेला जाएगा। 1980-90 के दशक में अपने खेल से आतंकित करने वाले टायसन ने कहा कि उन्हें दो दशक बाद एक बार फिर रिंग में उतरने से किसी तरह की परेशानी नहीं है। पूर्व हैवीवेट चैंपियन टायसन ने कहा कि वापसील का फैसला लेना उनके लिए मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा कि, इसमें ज्यादा सोचना नहीं पड़ा। वह नए हैं और इस खेल में आने वाले नए खिलाड़ी हैं। मैं इस खेल जगत को इसकी गहराइयों से प्यार करता हूं मैं अभी भी ऐसा करता हूं। ये ऐसी चीज है जो मैं करना चाहता था। टायनस का पॉल से मुकाबला 8 राउंड का होगा और हर राउंड दो-दो मिनट का होगा।

तोक्यो में सिर्फ खेलकर खुशी थी लेकिन पेरिस में अधिक एकाग्र रहूंगी : दीक्षा

नई दिल्ली, 14 मई। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने जब तोक्यो खेलों में ओलंपिक में पदार्पण किया था तो वह वहां प्रतिस्पर्धा करके ही खुश थीं लेकिन तब से वह 'अधिक संतुलित और स्थिर' हो गई हैं और बधिर ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता आगामी पेरिस खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है। पिछले हफ्ते 100 लेडीज यूरोपीई टूर स्पर्धाओं में भाग लेने वाली पहली भारतीय गोल्फर बनीं 24 वर्षीय दीक्षा जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक से पहले यूरोप में कई टूर्नामेंट खेलेंगी।

इस सप्ताह बर्लिन में अमुंडी जर्मन मास्टर्स से शुरूआत करने वाली दीक्षा ओलंपिक की तैयारी के लिए कम से कम नौ टूर्नामेंट खेलेंगी और लगभग सभी टूर्नामेंट यूरोप में होंगे। दीक्षा ने 'फिट इंडिया चैंपियंस पॉडकास्ट' पर कहा, "यहां से सभी टूर्नामेंट मेरे लिए ओलंपिक की तरह होंगे।" उन्होंने कहा, "मैं तोक्यो में सिर्फ प्रतिस्पर्धा करके ही खुश थी। यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव, सीख और प्रेरणा थी। पेरिस में मैं केवल प्रतिस्पर्धा करने बजाय अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अधिक प्रतिबद्ध और एकाग्र हूं।" दीक्षा बाएं हाथ की गोल्फर हैं और वह ओलंपिक में एक बार तथा बधिर ओलंपिक में दो बार हिस्सा लेने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्हें जन्म से ही सुनाई नहीं देता था। रोहतक की इस खिलाड़ी ने बधिर ओलंपिक में 2017 में तुर्की में रजत और 2022 में ब्राजील में स्वर्ण पदक जीता। वह 2019 में पेशेवर बनीं।

निकहत जरीन ने एलोर्डा कप में जीत के साथ की शानदार शुरुआत

कजाकिस्तान, 14 मई। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने एलोर्डा कप 2024 टूर्नामेंट के (52 किग्रा) वर्ग में कजाकिस्तान की राखिमबर्दी झानसाया को 5-0 से हराते हुये अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इसके साथ ही मिनाक्षी (48 किग्रा) ने भी सोमवार को कजाकिस्तान की गैसीमोवा रोक्साना पर 4-1 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। एक अन्य मुकाबले में अनामिका ने 50 किग्रा वर्ग के मुकाबले के पहले दौर में रेफरी स्टॉप द कॉन्टेस्ट (आरएससी) की जीत के साथ झुमाबायेवा अरैलीम को हराया। इस बीच, इश्मीत सिंह (75 किग्रा) और सोनिया (54 किग्रा) वर्ग में क्रमश: कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मैट और चीन के चांग युआन के खिलाफ 0-5 से हारकर बाहर हो गए।

पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स का मैच आज

गुवाहाटी, 14 मई। बुधवार को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स से टकराएगी। पंजाब की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। वहीं रियान पराग को अपने घरेलू फैंस से भव्य स्वागत की उम्मीद है। दस टीम की तालिका में 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद रॉयल्स को अंतिम चार में जगह पक्की करने के लिए गुवाहाटी में अपने अगले दो 'घरेलू' मैचों में से एक में जीत सुनिश्चित करने की जरूरत है।

पिछले कुछ वर्षों से गुवाहाटी रॉयल्स का दूसरा घरेलू मैदान रहा है और पराग की क्षमताओं पर छह साल तक निवेश को देखते हुए यह फ्रेंचाइजी का एक रणनीतिक कदम था। प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के लिए सोशल मीडिया पर आलोचना झेलते रहे पराग के लिए इस साल घर वापसी खास है। क्योंकि सलामी बल्लेबाज नहीं होने के बावजूद उन्होंने 153 के स्ट्राइक रेट से 483 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन ने पराग को अगली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने का दावेदार बना दिया है जहां उनके अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने की उम्मीद है। जब भी ऐसा होगा तब पराग सीनियर टीम की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनने वाले पूर्वोत्तर के पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। यहां इस 22 वर्षीय खिलाड़ी के लिए समर्थन स्वाभाविक होगा और इससे पंजाब किंग्स के खिलाफ संजू सैमसन और उनकी टीम को भी मदद मिलेगी।

पाक ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

डबलिन, 14 मई। कप्तान बाबर आजम (75) और मोहम्मद रिजवान 56 रनों की शानदार पारियों के दम पर पाकिस्तान ने मंगलवार को आयरलैंड को तीसरे टी-20 मुकाबले में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में सईम अयूब (14) का विकेट गवां दिया। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम ने पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 139 रनों की साझेदारी हुई। रिजवान ने 38 गेंदों में (56) और बाबर आजम ने 42 गेंदों में (75) रन बनाये। आजम खान 18 और इमाद वसीम एक रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने 17 ओवर में चार विकेट पर 181 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया।

राजस्थान के अक्षयराज सिंह राठौड़, राय सिंह व शाहरुख गौरी भारतीय हैंडबॉल टीम में

प्रियदीप सिंह कोच व अशोक शर्मा है टीम मैनेजर

यश प्रताप सिंह व मोहम्मद कलीम है टेक्निकल डेलीगेट

जयपुर, 14 मई। ताशकंद (उज़्बेकिस्तान) में 14 से 21 मई तक आयोजित हो रही चौथी ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप मैं भाग लेने वाली भारतीय पुरुष टीम में राजस्थान के अक्षयराज सिंह राठौड़, राय सिंह व शाहरुख़ गौरी का चयन हुआ है। इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय पुरुष हैंडबॉल टीम मंगलवार सुबह ताशकंद पहुँच गई। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह खंगारोत टीम के कोच है। टीम के मैनेजर राज्य क्रीड़ा परिषद के रोकड़ अधिकारी अशोक कुमार शर्मा है। भारतीय टीम के साथ टेक्निकल डेलीगेट के रूप में राज्य हैंडबॉल संघ के अवैतनिक सचिव यश प्रताप सिंह व राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद कलीम भी गये है। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं महाराणा प्रताप अवार्डी डा. तेजराज सिंह भी इस चैंपियनशिप में दलनायक के रूप में गये है।

लखनऊ के मालिक संजीव गोयंका और केएल राहुल के बीच हुई सुलह

लखनऊ, 14 मई लखनऊ सुपर जायंट्स के खेमे में सबकुछ पटरी पर लौटता नजर आ रहा है। हाल ही में फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयंका और कप्तान केएल राहुल के बीच सब कुछ तकरीबन शांत हो चुका है। सोशल मीडिया पर गोयनका और केएल राहुल के बीच सब कुछ तकरीबन शांत हो चुका है। सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका और केएल राहुल के गले मिलने की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें दोनों खुशी से मिलते दिख रहे हैं। 10 विकेट से शर्मनाक हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका भरे मैदान में केएल राहुल पर भड़कते दिखे थे। हालांकि, दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी वो वीडियो में सुनाई नहीं दिया था। इसके बाद से ही संजीव गोयनका को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। फैंस ने उन्हें निशाने पर ले लिया था। वहीं अब रिपोर्ट के अनुसार केएल राहुल सोमवार रात संजीव गोयनका के दिल्ली स्थित आवास पर डिनर करने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों के गले लगने की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसमें केएल राहुल भी मुस्कुराते दिख रहे हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो. लीग के लिए यूरोप रवाना

बेंगलुरु, 14 मई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के लिए मंगलवार सुबह एंटवर्प, बेल्जियम के लिए रवाना हो गई। भारत वर्तमान में शीर्ष स्तर पर नीदरलैंड्स और ऑस्ट्रिलया के बाद पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के तहत बेल्जियम चरण 22 मई को शुरू होगा और 30 मई को समाप्त होगा जबकि इंग्लैंड चरण एक जून को शुरू होगा और 12 जून को समाप्त होगा।

भारत दोनों चरणों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ठोट ब्रिटेन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा। भारतीय टीम का 22 से 26 मई के बीच एंटवर्प में मेजबान बेल्जियम ओर अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद लंदन में एक से नौ जून तक जर्मनी और ठोट ब्रिटेन के खिलाफ मैच खेलेगी। भारत वर्तमान में आठ मैचों में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत जहां इस प्रतिष्ठित लीग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लिए खेलेगा वहीं उनका ध्यान जुलाई में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों से पहले अपनी कमियों को पूरी तरह दूर करने पर भी होगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टीम की रवानगी से पहले कहा, टीम एक और चुनौतीपूर्ण मुकाबले के लिए काफी उत्साहित है, जहां हम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से भिड़ेंगे। हमने पिछले कुछ हफ्तों में साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) बेंगलुरु में एक बहुत ही गहन प्रशिक्षण शिविर में पसीना बहाया है। टीम हर स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन कर रही है और प्रो लीग एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है हमारे लिए ओलंपिक से पहले अपनी खामियों को दूर करना है। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा, ओलम्पिक में बेल्जियम और अर्जेंटीना के साथ ही आस्ट्रेलिया, आयरलैंड और न्यूजीलैंड भी हमारे पूल में हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलावार को रोहतक (हरियाणा) से भाजपा उम्मीदवार डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस की रीतियों एवं नीतियों की जमकर आलोचना की और कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का गौरव देश-दुनिया में खूब बढ़ा है।

टैलिकॉम कंपनियां अब ग्राहकों को प्रमोशनल कॉल्स नहीं कर सकेंगीं

ट्राई ने टैलिकॉम कंपनियों के खिलाफ प्रमोशनल कॉल्स करने पर जुर्माना लगााने का नियम लागू किया

- **टेलिकॉम ऑपरेटर्स को ऐसे कॉल्स की आइडैंटिटी दिखाने के लिए कहा गया है, जिससे ग्राहक तय कर सकें कि, उन्हें कॉल रिसीव करना है या नहीं।**
- **टेलिकॉम ऑपरेटर्स को ऐसे कॉल्स की आइडेंटिटी दिखाने के लिए कहा गया है, जिससे ग्राहक तय कर सकें कि उन्हें कॉल रिसीव करना है या नहीं।**

नई दिल्ली, 14 मई। टैलिकॉम रैगुलेरिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने मोबाइल फोन सब्सक्राइबर्स को प्रमोशनल कॉल्स से निजात दिलाने के लिए सरकार की ओर से जरूरी कदम उठाए गए हैं। टेलिकॉम ऑपरेटर्स से कहा गया है कि वे इस महीने तक प्रमोशनल कॉल्स पर लगाम लगाएं और ऐसा ना करने की स्थिति में बड़ा जुर्माना लगाया जाएगा।

मामले से जुड़े दो लोगों ने कहा है कि अनरजिस्टर्ड मोबाइल नंबर्स से प्रमोशनल कॉल्स करने की स्थिति में उनपर जुर्माना लगेगा और उनकी ओर से किए जा रहे कॉल्स को गलत ट्रेड प्रैक्टिस का हिस्सा माना जाएगा। यह पहली बार है जब टेलिकॉम ऑपरेटर्स पर ग्राहकों की प्राइवेसी और अधिकारों का हनन करने के लिए पेनाल्टी लगाए जाने की बात कही गई है। उम्मीद है कि ऐसी स्थिति में प्रमोशनल कॉल्स पर लगाम लगाई जा सकेगी।

मोबाइल सब्सक्राइबर्स को अभी इंडिविजुअल्स की ओनरशिप वाले 10 डिजिट के अनरजिस्टर्ड नंबरों से ढेरों प्रमोशनल कॉल्स किए जा रहे हैं और इनके जरिए कॉमर्शियल मेसेजेस भेजे जाते हैं। हालांकि ये नंबर कॉमर्शियल यूज के लिए रजिस्टर्ड नहीं होते और इनका इस्तेमाल प्रमोशनल कॉल्स के लिए नहीं किया जाना चाहिए। अब ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टेलिकॉम कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाने का फैसला पिछले सप्ताह स्टेकहोल्डर्स के साथ हुई मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग में दूरसंचार विभाग, टेलिकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया , भारत संचार निगम लिमिटेड, एयरटेल, वोडाफोन और रिलायंस जियो से जुड़े लोग शामिल हुए।

सभी ने मिलकर सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी के नियमों का पालन करने का फैसला किया है, जो सीधे डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स को सपोर्ट करता है।

ड्राफ्ट गाइडलाइन्स में कहा गया है कि जिन कंपनियों को अनरजिस्टर्ड कॉल्स से फायदा होता है, उन्हें इनके लिए जिम्मेदार माना जाएगा। ड्राफ्ट में कॉल करने वालों को कमीशन एजेंट माना गया है, जो अलग-अलग बैंक्स, इंश्योरेंज कंपनियों और रियल-स्टेट फर्म्स से जुड़े हो सकते हैं।

टेलिकॉम ऑपरेटर्स को ऐसे कॉल्स की आइडेंटिटी दिखाने के लिए कहा गया है, जिससे ग्राहक तय कर सकें कि उन्हें कॉल रिसीव करना है या नहीं।

'कांग्रेस की नीति और नियत ठीक न होने से जनता ने दिखाया बाहर का रास्ता'

मु.मंत्री भजनलाल ने रोहतक में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल इस समय हरियाणा के चुनावी दौरे पर हैं और मंगलवार को उन्होंने रोहतक के भाजपा प्रत्याशी अरविन्द शर्मा के लिए सभा की।**

बहादुरगढ़, 14 मई (का.सं.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को हरियाणा के बहादुरगढ़ में रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की एक भी घटना सामने नहीं आई है। मोदीजी जनता को 100 रुपये भेजते हैं तो उनके खाते में 100 रुपये ही पहुंचते हैं, बीच में कट नहीं लगता। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने अपनी हर दिवाली सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ मनाकर उनका हौसला बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने रोहतक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि, भाजपा के प्रत्याशियों को दिया हुआ एक-एक वोट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को मिलेगा और वे तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनकर भारत को प्रगति की नई बुलंदियों तक पहुंचायेंगे।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि, कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, तुष्टीकरण और गरीबी की जननी है। इस पार्टी को सबसे ज्यादा समय सत्ता में रहने का मौका मिला मगर गरीबों की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार का आलम यह था कि, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी कहते थे कि, दिल्ली से हम 1 रुपया भेजते हैं तो जनता तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं। आतंकवाद के कारण लोग डर के साये में जीते थे। आंतकवादी आये दिन बम फोड़कर चले जाते थे। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के सिर भी काट दिए जाते थे। शर्मा ने कहा कि, वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। गरीब कल्याण और देश के विकास के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव भी बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस 70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी भी गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं, मगर गरीबों से इनका कोई वास्ता नहीं है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने गरीब कल्याण की योजनाएं चलाकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और लगभग 50 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, एक समय पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का वर्चस्व था, मगर इनकी नीति और नियत ठीक नहीं होने के कारण जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा कि कांग्रेस स्वार्थ और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है तो उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर जनसंघ का गठन किया और उनके राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर चलते हुए आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है।

यशवन्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक रैली में पहली बार कांग्रेस का दुपट्टा पहने हुए नज़र आए। इस जनसभा को इंडिया गठबंधन के नेताओं सहित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी संबोधित किया था।

हजारीबाग में 20 मई को वोट डाले जाएंगे, वहाँ का टिकट जयंत सिन्हा को देने से भाजपा के हाईकमान ने मना कर दिया और वहाँ से पार्टी के विधायक मनीष जायसवाल को कांग्रेसी उम्मीदवार जय प्रकाश भाई पटेल के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया।

1998 के बाद से यह पहला अवसर है जब हजारीबाग में यशवंत सिन्हा के परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव नहीं लड़ रहा है। इस पर कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि "इसी वजह से इस परिवार के एक सदस्य ने कांग्रेस जॉइन की है ताकि सिन्हा परिवार के परम्परागत वोट बैंक को कांग्रेस की तरह खिंचा जा सके।"

'गलवान में भारत और चीन की सेनायें एल.ए.सी. से बहुत आगे तैनात हैं'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्वीकार किया कि, यह असामान्य स्थिति है

- **विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि, चीन ने ही एल.ए.सी. के पार सेना खड़ी करने की शुरुआत की, भारत ने भी चीन की तैनाती का कड़ा जवाब दिया। हमने भी अपनी सेनाएं वहां तैनात कीं। पिछले चार साल से सेनाएं गलवान में सामान्य बेस पोज़ीशन से आगे तैनात हैं।**

नई दिल्ली, 14 मई। चीन और भारत के बीच एलएसी सीमा विवाद काफी लंबे समय से जारी है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बलों की तैनाती असामान्य है। देश की सुरक्षा की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जयशंकर मंगलवार को इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने गलवान झड़प का जवाब वहां बलों की जवाबी तैनाती से दिया। जयशंकर ने कार्यक्रम में बताया कि 1962 की जंग के बाद 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने चीन की यात्रा की। इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि चीन और भारत संबंधों को सामान्य बनाएंगे। यात्रा का उद्देश्य सीमा मतभेदों पर चर्चा करने के साथ-साथ सीमा पर शांति के बनाए रखना था। लेकिन 2020 में चीनियों ने इस समझौते को तोड़ दिया। भारत कोविड-19 लॉकडाउन में था, ऐसे समय पर चीन ने सीमा पर बड़ी संख्या में सेना तैनात कर दी। अब चीजें बदल गई हैं।

जयशंकर ने कहा कि भारत ने भी चीन की तैनाती का कड़ा जवाब दिया। हमने भी अपनी सेनाएं वहां तैनात की। पिछले चार साल से सेनाएं गलवान में सामान्य बेस पोजीशन से आगे तैनात हैं। एलएसी पर यह तैनाती असामान्य है। तनाव को देखते हुए, भारतीय नागरिक के रूप में हमें देश की सुरक्षा की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। चीन के साथ संघर्ष आर्थिक चुनौती भी है। हाल ही में, चीन ने अरुणाचल प्रदेश के मौजूद स्थानों के नाम बदल दिए थे। चीन के इस दावे को जयशंकर ने खारिज करते हुए कहा था कि नाम बदलने से कोई असर नहीं पड़ेगा। वे भी जानते हैं कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा।

ई.वी. चार्जिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नियमों को रद्द करें।

मामले के तथ्यों के अनुसार इस याचिका में कहा गया था कि केंद्र सरकार की 2022 की नीति व गाइड लाइन के अनुसार अलग-अलग प्रदेशों की डिस्कॉम्स को प्रदेशों में "इकोसिस्टम" स्थापित करना होगा। याचिका में कहा गया कि इस नीति के अनुसार भारत सरकार का उद्देश्य है कि वर्ष 2030 तक देशभर में सभी वाहनों की कुल संख्या का 30 प्रतिशत ई.वी.हों। परंतु याचिकाकर्ता बी.पी.सी.एल. के वकील शशांक अग्रवाल ने अदालत को कहा कि उसके मुवक्किल को प्रदेश की डिस्कॉम्स की नीतियों के अनुसार 60 से 200 किलोवॉट क्षमता रखने वाले 100 'रिटेल आउटलेट' यानी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिये समर्पित एच.टी. लाइन लगानी होंगी और 100 से अधिक ट्रांसफार्मर भी खरीदने होंगे। उन्होंने अदालत को बताया कि इस नीति से ई.वी. के लिये चार्जिंग स्टेशन का आधारभूत ढ़ांचा स्थापित करना अव्यवहारिक और आर्थिक रुप से असंभव है।

उन्होंने अदालत को कहा कि बी.पी.सी.एल. प्रदेश में नीति के बदलाव को अग्रसर करने के लिये यह याचिका दायर कर रही है। इस सुनवाई के दौरान ही जयपुर विद्युत वितरण निगम (जे.वी.वी.एन.एल.) सहित सभी विद्युत वितरण निगमों ने स्वयं ही 31 जनवरी से 4 मार्च के बीच आदेश पारित कर दिये थे और नियामक आयोग में दर्ज भी करवा दिए थे, जिसके तहत हर तरह के ई.वी. चार्जिंग स्टेशन (200 किलोवॉट क्षमता तक) स्थापित करने के लिये एल.टी. वायर उपयोग में लिये जा सकेंगे। सभी निगमों ने आदेश में यह भी कहा कि चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिये लगाये जा रहे ट्रांसफार्मर का केवल किराया ही रीटेल आउटलैट लगाने वाले को देना होगा, जिसमें भी तीन प्रतिशत डिस्कांउट दिया जायेगा। निगमों द्वारा दिये गये इस नोटिफिकेशन के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका राहत पाने के बाद वापिस ली।

18 साल से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता को अब तक पट्टा जारी नहीं किया गया है और याचिकाकर्ता पर अविश्वास करने का भी कोई कारण नहीं है।

याचिका में अधिवक्ता दिनेश यादव ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता ने शास्त्री नगर स्थित आर.पी.ए. रोड पर वर्ष 2006 में नगर निगम की खुली नीलामी में करीब 140 वर्ग मीटर का भूखंड खरीदा था। जिसकी संपूर्ण राशि उसी वर्ष जमा करा दी गई थी। इसके बावजूद भी उसे अब तक इस जमीन का पट्टा नहीं दिया गया।

जबकि बीते 18 सालों में वह नगर निगम के संबंधित अधिकारियों से कई बार पट्टा जारी करने की गुहार कर चुका है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि, याचिका पर सुनवाई करते हुए गत सुनवाई को नगर निगम ग्रेटर को नोटिस भी जारी किए गए थे और संबंधित अधिकारी पर नोटिस भी तामील हो गए थे, लेकिन उनकी ओर से अदालत में कोई पेश नहीं हुआ है। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को एक सप्ताह में पट्टा जारी नहीं करने पर डी.एल.बी. निदेशक को पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है।

दूसरे, तीसरे से बेहतर हुआ चौथे चरण में मतदान

चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार चौथे चरण में लोकसभा की 96 सीटों पर 67 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ

- **चौथे चरण में सर्वाधिक 78.44 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ, जबकि, आंध्रप्रदेश में 78.25, बिहार में 57.06 प्रतिशत, झारखंड में 65.31, मध्यप्रदेश में 70.98 प्रतिशत महाराष्ट्र में 59.64, ओडिशा में 73.97, तेलंगाना 64.46, उत्तर प्रदेश में 58.05 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले।**

नई दिल्ली, 13 मई (वार्ता)। लोक सभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश की 96 संसदीय सीटों पर 67.71 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

चौथे चरण में आंध्र प्रदेश विधानसभा की सभी 175 सीटों और ओडिशा विधानसभा के पहले चरण के चुनाव में 28 सीटों पर मतदान कराया गया। चुनाव आयोग द्वारा प्राप्त प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार रात 12 बजे तक उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव में क्रमश: 78.36 और 73.97 प्रतिशत मतदान हुआ।

चौथे चरण की सभी सीटों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ और शाम छह बजे तक चला। कुछ स्थानों पर मतदान का समय शाम सात बजे तक बढ़ाया गया था। आयोग के सूत्रों ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा। जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सीट सहित कई निर्वाचन क्षेत्रों के कुछ मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गयीं। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से मतदाता अपनी परम्परागत वेशभूषाओं में देखे गये।

चौथे चरण में सर्वाधिक 78.44 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ जबकि आंध्रप्रदेश में 78.25, बिहार में 57.06 प्रतिशत, झारखंड में 65.31, मध्यप्रदेश में 70.98 प्रतिशत महाराष्ट्र में 59.64, ओडिशा में 73.97, तेलंगाना 64.46, उत्तर प्रदेश में 58.05 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 रद्द किये जाने के बाद हो रहे पहले चुनाव में श्रीनगर सीट पर करीब 38 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

चौथे चरण का मतदान संपन्न होने के साथ ही 543 सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों में 379 पर मतदान की प्रक्रिया हो चुकी है। चौथे चरण के चुनाव में लोकसभा की 96 सीटों पर कुल 1717 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं, इनमें तेलंगाना में हैदराबाद सीट से भारतीय जनता पार्टी की माधवी लता का मुकाबला ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मौजूदा असदुद्दीन ओवैसी , बिहार के बेगुसराय से गिरिराज सिंह, उजियारपुर से केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी, कन्नौज से समाजवादी पार्टी से अखिलेश यादव, उन्नाव से साक्षी महाराज, मुंगेर से जदयू के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, झारखंड के खूंटी से अर्जुन मुंडा, पश्चिम बंगाल के आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा, बहरामपुर से अधीर रंजन चौधरी और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान, कृष्णा नगर से महुआ मोइत्रा सहित कई दिग्गजों की चुनावी किस्मत इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में दर्ज हो गयी।

चौथे चरण में 96 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 8.97 करोड़ पुरुष तथा 8.73 करोड़ महिला मतदाताओं सहित कुल 17.7 करोड़ को मताधिकार प्राप्त था। मतदान के लिये कुल 1.92 लाख मतदान केंद्र स्थापित किये गये थे।

'संदेशखाली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका प्रदर्शन इतना बेकार था कि उसके लिए कुछ भी नहीं लिखा जा सकता।

देब के खिलाफ तीन गंभीर शिकायते हैं जिनमें उन पर सांसदों को मिलने वाले विकास फंड से पैसे लेने का आरोप है।

इस बीच, शुवेन्दू अधिकारी ममता बनर्जी पर अधिक हमलावर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव में ममता बनर्जी को हराया है और उन्हें एक बार फिर हराएंगे।

संदेशखाली क्षेत्र में बढ़ता तनाव सत्तारूढ़ तृणमूल को सर्वाधिक परेशान कर रहा है। यहां के लोग एकजुट होकर राज्य सरकार डराने-धमकाने और पुलिस कार्रवाई का आरोप लगा रहे हैं।

क्षेत्र की महिलाएं रात्रि पहरा देकर ममता बनर्जी को उन्हीं की भाषा में जवाब दे रही हैं। ममता ने गत चुनाव में बंगाल की महिलाओं का आव्हान किया था कि वे जो भी मिले उसे हाथ में लेकर बाहर निकले और मुकाबला करें।

उन्होंने खासतौर पर महिलाओं से अनुरोध किया है कि वे झाड़ू लेकर बाहर आएं।

संदेशखाली की महिलाएं अपने हाथों में डंडे और झाड़ू लेकर बड़ी संख्या में रात्रि पहरा दे रही हैं, जिसकी तस्वीरें अब वायरल हो चुकी हैं।

इन महिलाओं की शिकायत है कि राज्य पुलिस और प्रशासन सत्तारूढ़ पार्टी के आदेशों पर काम कर रहा है। वैसे, कुछ महिलाओं ने तो अपनी शिकायतें वापस ले ली हैं और उन्होंने मम्पी दास नामक एक व्यक्ति का नाम लिया है जिसने उनसे कहा था कि वे अपने साथ हुए यौन दुर्व्यवहार की एफ.आई.आर. दर्ज करवाएं।

तृणमूल की धमकियों को देखते हुए मम्पी दास ने एक निचली अदालत की शरण लेकर अग्रिम जमानत की मांग की, लेकिन पुलिस हरकत में आई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने माम्पी दास को दस दिन के लिए पुलिस हिरासत में सौंपा है।

साहसी माम्पी दास ने दावा किया कि ममता बनर्जी हताश हो गई हैं। उन्हें अपनी कुर्सी जाने का भय सता रहा है।

जिंदा बम प्रकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा सकती है। इस आधार पर ही आरोपी को जमानत का लाभ दिया गया है।

ए.ए.जी. शर्मा ने बताया कि, सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग आरोपी को रोजाना सुबह दस बजे से 12 बजे तक अतिरिक्त महाधिवक्ता कार्यालय में उपस्थिति देने, जेल अधिकारियों के पास पासपोर्ट जमा कराने, बिना अनुमति विदेश यात्रा नहीं करने, किसी भी गैर कानूनी संगठन में शामिल नहीं होने और किसी भी निषिद्ध गतिविधि में शामिल होने या संबंधित व्यक्तियों से संपर्क करने पर उसे पुन: गिरफ्तार करने को कहा है।

जमानत याचिका में कहा गया था कि, याचिकाकर्ता को जयपुर ब्लास्ट के मुख्य केस में बरी कर दिया गया था। इसके अलावा वह घटना के समय 16 साल और तीन माह की उम्र का था। वर्ष 2019 से वह जिंदा बम प्रकरण में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। जबकि कानूनन किसी भी नाबालिग आरोपी को तीन साल से अधिक की सजा नहीं हो सकती है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

जमानत का विरोध करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कहा कि, आरोपी पर गंभीर आरोप हैं, ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। इसके अलावा अति. महाधिवक्ता की ओर से जमानत देने पर आरोपी पर कुछ शर्त लगाने को कहा गया। इस पर अदालत ने शर्तों के साथ आरोपी को जमानत पर रिहा करने को कहा है। अति. महाधिवक्ता ने बताया कि भले की सुप्रीम कोर्ट ने उसे जमानत दे दी हो, लेकिन अहमदाबाद और सूरत धमाकों में लिप्तता के कारण वह जेल में ही रहेगा।

उत्तर प्रदेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बमुश्किल पांच में से एक विधानसभा सीट जीत पायी थी।

सिद्धार्थ नगर लोकसभा चुनाव क्षेत्र में भाजपा पांच विधानसभा सीटों में से 2 पर ही जीत पायी थी और अमरोहा के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में हार गयी थी। कौशाम्बी के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी हार गयी थी और प्रतापगढ़ के सात में से केवल एक विधानसभा क्षेत्र में विजय हासिल हुयी थी। बाराबंकी के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा दो पर जीती थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि अयोध्या की चार सीटों में से भाजपा केवल 2 पर ही जीत पायी थी। मुद्दा यह है कि इस चुनाव, जिसमें कोई "लहर" नहीं है, क्या भाजपा पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में वर्ष 2019 का अपना प्रभुत्व कायम रख पायेगी?

मोदी की कुल संपत्ति 3 करोड़ लेकिन खुद की गाड़ी और मकान नहीं हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में पेश किये चुनावी एफिडेविट में बताया है कि, उनके पास एस.बी.आई. में 2.89 करोड़ रुपये से अधिक की एक एफ.डी. है

- **प्रधानमंत्री मोदी की आय 2018-19 में 11.14 लाख रुपये से बढ़कर 2022-23 में 23.56 लाख रुपये हो गई। वित्तीय वर्ष में उनका अनुमानित आयकर रिटर्न तीन लाख 33 हजार 179 रुपये है।**

वाराणसी, 14 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुल संपत्ति 3 करोड़ रुपये से अधिक है, लेकिन उनके पास अपनी कोई जमीन, घर या कार नहीं है। अपने चुनावी हलफनामे में पीएम मोदी ने ये जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को वाराणसी सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। जिसके बाद उनका चुनावी हलफनामा सामने आया है। हलफनामे में, पीएम मोदी ने कुल 3.02 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। हलफनामे में उनके पास 3.02 करोड़ रुपये से अधिक की चल और अचल संपत्ति है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक में दो करोड़ 89 लाख 45 हजार 598 रुपये की सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) शामिल है। उनके हाथ में कुल नकदी 52,920 रुपये हैं और गांधीनगर और वाराणसी में उनके दो बैंक खातों में 80,304 रुपये जमा हैं।

पीएम मोदी के पास राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र में निवेश के रूप में 9.12 लाख रुपये हैं और उनके पास चार सोने की अंगूठियां भी हैं जिनकी कीमत दो लाख 67 हजार 750 रुपये है। उनकी आय 2018-19 में 11.14 लाख रुपये से बढ़कर 2022-23 में 23.56 लाख रुपये हो गई। वित्तीय वर्ष में उनका अनुमानित आयकर रिटर्न तीन लाख 33 हजार 179 रुपये है। अगर पिछले 5 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इनकम की बात करें तो 2018-19 में उनकी आय 11,14,230 रुपये, 2019-20 में 17,20,760 रुपये, 2020-21 में 17,07,930 रुपये, 2021-22 में 15,41,870 रुपये तो वहीं 2022-23 में प्रधानमंत्री को 23,56,080 रुपये की इनकम हुई।

प्रधानमंत्री के हलफनामे के अनुसार उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

वहीं हलफनामे में उन्होंने अपनी पढ़ाई का भी ब्यौरा दिया है। इसके मुताबिक, नरेंद्र मोदी ने 1967 में गुजरात बोर्ड से एसएससी किया था। 1978 में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री ली थी। 1983 में गुजरात युनिवर्सिटी से पीएम मोदी ने मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्नी के नाम में जशोदाबेन का नाम लिखा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के करीब आधा दर्जन मुख्यमंत्रियों, भाजपा अध्यक्ष, कई केंद्रीय मंत्रियों और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विभिन्न घटक दलों के नेताओं की मौजूदगी में मंगलवार को वाराणसी से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

उन्होंने कहा कि वह तीसरे कार्यकाल में नई ऊर्जा के साथ जनता के कल्याण के लिए काम करेंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908